संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 04
पृष्ठ 8
शनिवार
19 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– नैनीताल के कैंची धाम...

विचार– यूपीआई पर शुल्क, नोटबंदी के बाद...

खेल– हार्दिक पांड्या अभी 10 ओवर...

अमित शाह ने सरकारी कामकाज में बढ़ाई हिन्दी की पैठ, तकनीक और अनुवाद पर दिया जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की हिंदी सेवा एक नहीं, अनेक दृष्टियों से ध्यान देने योग्य है। मूलतः गुजरातीभाषी शाह स्वयं हिंदी में काम करते हैं, इसलिए स्वाभाविक तौर पर हिंदी में सरकारी कामकाज बढ़ा है। शाह के कारण सरकारी पत्रावलियां हिंदी में बनती हैं। शाह के मार्गदर्शन में केंद्रीय गृह मंत्रालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए योजनाओं, अनुवाद–कार्य और हिंदी–सलाहकार समितियों के माध्यम से लगातार प्रयासरत है। शाह हिंदी को प्रशासन, शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, पत्रकारिता और उच्च ज्ञान–विमर्श की भाषा बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री, आधुनिक शब्दावली और अनुवाद की मजबूत व्यवस्था की अनवरत हिमायत करते हैं। हिंदी के प्रति अमित शाह का लगाव केवल औपचारिक राजभाषा–नीति तक सीमित नहीं दिखाई देता। वर्ष

2019 में हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने हिंदी को स्वतंत्रता आंदोलन की चेतना से जोड़ा था। गत वर्ष 2025 में भी शाह ने हिंदी दिवस पर आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के संवर्धन से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने पर बल दिया था। पिछले एक वर्ष में माननीय गृह मंत्री जी के नेतृत्व्व में राजभाषा विभाग ने हिंदी के साथ–साथ भारतीय भाषाओं के लिए भी कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। जून 2025 में भारतीय भाषा अनुभाग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाना और उन्हें तकनीक तथा प्रशासन से जोड़ना है। इस पहल से राजभाषा विभाग के काम का दायरा भी व्यापक हुआ है। विभाग ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों यानी नराकासों के काम को प्रोत्साहित करने के लिए 'नराकास प्रोत्साहन सम्मान' की व्यवस्था भी शुरू की है। इससे उन नराकासों को आगे आने का अवसर मिलेगा, जो अपने क्षेत्र में राजभाषा के काम को बेहतर ढंग से आगे बढ़ा रही हैं। तकनीक के क्षेत्र में भी राजभाषा विभाग ने नई पहल की है। 'भारती – बहुभाषी अनुवाद सारथी' के माध्यम से हिंदी से भारतीय भाषाओं के बीच अनुवाद को आसान बनाने की दिशा में काम हुआ है। इसके साथ 'हिंदी शब्द–सिंधु' जैसे शब्दकोश को भी विकसित किया गया है। 'हिंदी शब्द–सिंधु' में विभिन्न भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल किया जा रहा है। इसका उद्देश्य हिंदी को दूसरी भारतीय भाषाओं से जोड़ना है, न कि उनसे अलग करना। इन प्रयासों से साफ है कि राजभाषा का काम अब केवल सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग तक सीमित नहीं है। यह भाषा, तकनीक और भारतीय भाषाओं के बीच नए संबंध बनाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। शाह के हिंदी प्रेम का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि वे हिंदी को भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उनके साथ चलने वाली भाषा के रूप में देखते हैं। अमित शाह का हिंदी प्रेम हिंदी के विकास के साथ भारतीय भाषाओं के सम्मान और संरक्षण के रूप में आगे बढ़ता है। कहना न होगा कि यह दृष्टि भारतीय भाषायी एकता को मजबूत करनेवाली है। हिंदी की वास्तविक शक्ति उसकी आत्मीयता, समावेशिता और संवादधर्मिता में है। भारत में हिंदी का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब वह दूसरी भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और संवाद का भाव लेकर आगे बढ़े। हिंदी का भारतीय भाषाओं से संबंध वर्चस्व का नहीं, आदान–प्रदान का होना चाहिए। भारतीय भाषाओं का इतिहास भी प्रतिस्पर्धा का इतिहास नहीं, बल्कि परस्पर आदान–प्रदान का इतिहास है। हिंदी ने दूसरी भारतीय भाषाओं से असंख्य शब्द, मुहावरे, साहित्यिक संस्कार और विचार ग्रहण किए हैं।

पार्टी चोरी के बाद वोट चोरी हैरानी की बात नहीं : राहुल

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज करने के चुनाव आयोग के निर्णय पर तीखे सवाल उठाते हुए तंज किया और कहा कि जब श्पूरी की पूरी पार्टीश चोरी हो सकती है तो करोड़ों भारतीयों के वोट चोरी होना भी हैरानी की बात नहीं है। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि पहले शिवसेना, फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और अब तृणमूल कांग्रेस में एक ही पैटर्न दिखाई देता है–भाजपा और चुनाव आयोग मिलकर एक पार्टी को तोड़ते हैं और फिर उसका चुनाव चिह्न छीन लिया जाता है। उन्होंने कहा, वोट चोरी। सरकार चोरी। अब पार्टी चोरी–ये हमारे लोकतांत्रिक पतन के प्रतीक बन गए हैं। चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी जनादेश की रक्षा करना बताते हुए श्री गांधी ने कहा कि इसके विपरीत आयोग उन ताकतों की मदद कर रहा है जो जनता के

फैसले को ही पलट देती हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ सुश्री ममता बनर्जी की नहीं बल्कि हर राजनीतिक दल और हर मतदाता की है जो स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव चाहता है। इससे पहले पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने गुरुवार देर रात इस प्रति की प्रक्रिया करते हुए आरोप लगाया था कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज किया गया है। ऐसा कर सुश्री बनर्जी के नेतृत्व में भाजपा के खिलाफ लड़ने वाले लोगों को उनसे विद्रोह करने और दल–बदल करने का रास्ता दिया जा रहा है।

बलिया में आयु प्रमाणपत्र में हेरफेर: पूर्व सीएमओ और 3 डॉक्टरों समेत 5 पर एफआईआर

बलिया,एजेंसी। बलिया की एक अदालत के आदेश के बाद जिले के तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जिला अस्पताल के तीन चिकित्सकों समेत पांच लोगों के खिलाफ जालसाजी और अन्य आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बलिया के कोतवाली थाने में जय नाथ राम (64) की शिकायत पर तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल के रेडियोलॉजिस्ट डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. आनंद कुमार सिंह, डॉ. आरडी राम और राकेश कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राकेश कुमार ने वर्ष 2019 में निजी रंजिश के कारण जय नाथ राम के बेटे प्रविंद्र कुमार के खिलाफ जान से मारने की नीयत से हमला करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि उस समय प्रविंद्र कुमार नाबालिग था। अधिकारियों के अनुसार, किशोर न्याय बोर्ड के आदेश पर जिला अस्पताल ने प्रविंद्र कुमार की आयु 20 वर्ष निर्धारित की थी और अस्पताल ने 17 जनवरी 2022 को आयु प्रमाण पत्र जारी किया था। हालांकि, आरोप है कि राकेश कुमार ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके साजिश के तहत आयु प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ कराई और दर्ज आयु 20 वर्ष से बदलकर 22 वर्ष कर दी। मामले में तत्कालीन मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रेडियोलॉजिस्ट और दो चिकित्सकों की भूमिका होने का भी आरोप लगाया गया है। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) प्रवीन कुमार सिंह ने शुक्रवार को पुष्टि की कि मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलेष कुमार पांडेय के 19 अगस्त के आदेश के बाद मुकदमा दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

संवेदनशील फुटेज और जानकारी देने के आरोप में युवक गिरफ्तार

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के कठुआ में एक 24 साल के व्यक्ति को पाकिस्तान स्थित एक एजेंसी को संवेदनशील फुटेज और जानकारी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अमन नाम का यह व्यक्ति ट्रक ड्राइवर है। आरोप है कि उसने सैन्य

ठिकानों की रेकी की और पाकिस्तानी एजेंटों को देने के लिए जानकारी और तस्वीरें इकट्ठा करने की कोशिश की। सूत्रों का कहना है कि अमन को कथित तौर पर हनी–ट्रैप में फंसाया गया था, जिसके बाद उसने संवेदनशील जानकारी और फुटेज देना शुरू कर दिया। उस पर जासूसी और विध्वंसक गतिविधियों के लिए पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस से निर्देश लेने का भी आरोप है। सूत्रों के मुताबिक, अमन ने बॉर्डर के पास की सड़क पर नज़र रखने के लिए अपने घर के बाहर कथित तौर पर एक सिम–बेस्ड सीसीटीवी कैमरा लगाया था।

सेमीकॉन इंडिया 2026 में बोले विदेश सचिव विक्रम मिसरी,

कोई भी देश अकेले चिप नहीं बनाता

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शुक्रवार को मज़बूत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन बनाने में अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ''कोई भी देश अकेले चिप नहीं बनाता'' और कंपनियों से अपील की कि वे सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के साथ मिलकर काम करें। सेमीकॉन इंडिया 2026 को संबोधित करते हुए, मिसरी ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और आयोजकों का शुक्रिया अदा किया कि उन्होंने उन्हें अलग–अलग देशों और समुदायों के स्टेकहोल्डर्स को संबोधित करने का मौका दिया। उन्होंने कहा मेरे लिए और मुझे लगता है कि मेरे आने से ठीक पहले मैंने यह शब्द सुना था, इसलिए आज मैं इस बारे में बात करना चाहता हूँ कि कोई भी देश अकेले चिप क्यों नहीं बनाता, और उन कंपनियों के लिए क्या मौके हैं जो सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि भारत के साथ मिलकर काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर, जो कभी एक छिपा हुआ इंडस्ट्रियल कंपोनेंट हुआ करते थे, अब

आर्थिक क्षमता, तकनीकी परिपक्वता और राष्ट्रीय स्तर का पैमाना बन गए हैं। साथ ही, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि विकसित देश भी अकेले पूरा सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम नहीं बना सकते। उन्होंने कहा, ष्लेकिन कोई भी देश, चाहे वह कितना भी विकसित क्यों न हो, इसे अकेले नहीं बना सकता। अकेले ताइवान ही दुनिया की सबसे एडवांस्ड चिप्स का 90 प्रतिशत से ज़्यादा उत्पादन करता है। फिर भी, यह उन डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर, टूल्स और मटीरियल पर निर्भर करता है जिन्हें कहीं और विकसित किया गया है। इसलिए, चिप इंडस्ट्री द्वारा बनाई गई सबसे ज़्यादा सहयोग वाली चीज़ हो सकती है। वे देश जो इस सदी में आगे रहेंगे, और वे जो ठीक–ठीक जानते हैं कि घर पर क्या बनाना है और विदेश में किसके साथ मिलकर बनाना है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में पार्टनरशिप को बढ़ावा देने वाले कारकों के बारे में बताते हुए, मिस्री ने कहा कि किसी एक इलाके में वैल्यू चेन की हर कड़ी मौजूद नहीं होती है और इसलिए सप्लाई चेन भरोसेमंद रिश्तों के आधार पर विकसित हुई हैं। किसी एक इलाके में हर कड़ी मौजूद नहीं होती। इसलिए इंडस्ट्री ने गठबंधनों के आधार पर खुद को व्यवस्थित किया है, और सप्लाई चेन को ऐसे रिश्तों के ज़रिए जोड़ा है जो समय के साथ भरोसेमंद साबित हुए हैं। और मैं 'भरोसेमंद' शब्द पर ज़ोर देता हूँ।

सीमा 25,000 रुपये किए जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इपीएफओ वेतन सीमा से जुड़ी याचिका बंद की

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड स्कीम के तहत वेतन सीमा में बदलाव की मांग करने वाली याचिका पर अब और विचार करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि केंद्रीय कैबिनेट ने इस सीमा को 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने की मंज़ूरी दे दी है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत कैबिनेट के फैसले से असल में पूरी हो गई है। यह मामला एक ऐसी याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया जिसमें कहा गया था कि वेतन सीमा 2014 से बदली नहीं गई है और इसमें तुरंत बदलाव की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान, बेंच ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा हमने अखबारों में देखा। आपकी सभी मांगें मान ली गई हैं। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस फैसले के बारे में अभी तक कोई नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। इस पर बेंच ने कहा, हमने आपकी बात पर ध्यान दिया है और हमें लगता है कि अब इस रिट याचिका पर और विचार करने की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि कैबिनेट के फैसले के बाद संबंधित पक्ष ज़रूरी कदम उठाएंगे।

मोदी कल पर्यावरण और जलवायु पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को यहां विज्ञान भवन में ष्पर्यावरण और जलवायु की गतिशीलता का भविष्यष विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन में पर्यावरण विशेषज्ञ, उच्चतम न्यायालय , उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों के न्यायाधीश, विभिन्न मंत्रालयों के सचिव, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, राज्य न्यायिक अकादमियों के प्रतिनिधि, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रतिनिधि, राज्य विशेषज्ञ मूल्यांकन समितियों, राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरणों , राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरणों तथा अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें 17 देशों के प्रतिष्ठित न्यायाधीश और न्यायिक प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। यह अलग–अलग देशों और क्षेत्रों में अपनाए जा रहे न्यायिक तरीकों, वैज्ञानिक जानकारी, पर्यावरण प्रबंधन की कार्यप्रणालियों और संस्थागत अनुभवों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

हम कांग्रेस का समर्थन करेंगे...बंगाल में नंदीग्राम उपचुनाव से टीएमसी उम्मीदवार के बैकआउट करने के बाद बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की घोषणा की, क्योंकि उनके अपने उम्मीदवार ने मुकाबले से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि उनका खेमा नंदीग्राम से कोई दूसरा उम्मीदवार नहीं उतारेगा और उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान को समर्थन देने का ऐलान किया।

बनर्जी ने कहा कि यह फ़ैसला इंडिया गठबंधन के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया गया है, क्योंकि विपक्ष बीजेपी के ख़िलाफ़ एकजुट होकर लड़ना चाहता है। बनर्जी ने कहा कि हम मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। मैं चाहती हूं कि बीजेपी भारत से चली जाए। हमारा पूरा समर्थन प्छक्। गठबंधन के साथ है। यह घोषणा ममता बनर्जी के खेमे से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार संचिता प्रधान डे के अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के कुछ घंटों बाद हुई, जबकि अहम उपचुनाव में अब बस एक महीने का समय बचा है। डे ने नबन्ना में राज्य सचिवालय में सुवेंदु अधिकारी के साथ बैठक के बाद अपना नाम वापस लिया। हालांकि सूत्रों ने शुरू में इसे एक शिष्टाचार मुलाकात बताया, लेकिन इसने राजनीतिक ध्यान खींचा क्योंकि अधिकारी नंदीग्राम से मौजूदा विधायक भी हैं। यह बैठक चुनाव आयोग द्वारा नंदीग्राम और रेजीनगर उपचुनावों के लिए ज्डब् के दो गुटों को नए चुनाव चिह्न आवंटित करने के कुछ ही समय बाद हुई।

मोहन भागवत ने युवाओं को समझाया धर्म का व्यापक अर्थ

उज्जैन,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि धर्म को केवल वृद्धावस्था अथवा धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं किया जा सकता, बल्कि धर्म का विचार युवावस्था से ही जीवन में आचरण और निर्णयों को दिशा देने वाला तत्व है। डॉ. भागवत शुक्रवार को सेवाज्ञ संस्थानम् के राष्ट्रीय उपक्रम श्युवा धर्म संसद–2026 अवन्तिकाश के गीता भवन में आयोजित तीन दिवसीय आयोजन के शुभारंभ अवसर पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा धर्म संसद का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने धर्म और रिलीजन के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि धर्म को केवल रिलीजन के अर्थ में समझना उचित नहीं है। धर्म 'धृ' धातु से बना है, जिसका अर्थ धारण करना है।

धर्म व्यक्ति और समाज को जोड़ने, उन्हें बिखरने से बचाने तथा निरंतर उन्नति की ओर ले जाने वाला अनुशासन है। यह भौतिक जीवन से दूर जाने का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति और सामाजिक उत्तरदायित्व के संतुलन का मार्ग है। उन्होंने कहा कि मनुष्य सीमित प्राकृतिक क्षमताओं के बावजूद बुद्धि के बल पर सृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सका है, इसलिए उसके साथ सृष्टि और समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी जुड़ा है। सत्य, करुणा, शुचिता और तप को मानवीय धर्म के महत्वपूर्ण आधार बताते हुए उन्होंने युवाओं से परिश्रम और आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। संघ प्रमुख ने कहा कि भोजन के बाद कचरा नहीं फैलाना, यातायात नियमों का पालन करना, दूसरों को कष्ट नहीं देना और अपने कर्तव्यों का पालन करना भी धर्म के आचरण का हिस्सा है। धर्म का वास्तविक स्वरूप उसके व्यवहार में उतरने से प्रकट होता है।

उन्होंने युवाओं से व्यक्तिगत सफलता को सामाजिक सफलता से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि व्यक्ति की जीत तभी सार्थक है, जब उसमें दूसरों की भी जीत शामिल हो। अपनी उपासना और परंपरा के प्रति दृढ़ रहते हुए अन्य उपासनाओं के प्रति सम्मान रखना भारतीय जीवन–दृष्टि का महत्वपूर्ण पक्ष है। इस अवसर पर सेवाज्ञ संस्थानम् के संरक्षक आचार्य मिथिलेशनंदिनीशरण महाराज, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी तथा सेवाज्ञ संस्थानम् के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष कुमार आशु सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता: सुधीर मौर्या

प्रयागराज। भाजपा मंडल मऊआइमा नगर की ओर से मऊदोस्तपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पासी ने किया। मुख्य अतिथि सुधीर मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। उन्होंने भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में ऐतिहासिक काम किया है। मौके पर ऋषि प्रजापति, जय प्रकाश पटेल, शंभू नाथ पटेल, सुरेंद्र पासी, अश्वनी विश्वकर्मा, अर्पित मौर्य, मनीष साहू और मोनू मौर्य आदि रहे। इधर, घूरपूर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बगबना के प्रभारी डॉ. अनिल पटेल, संतोष कुमार, बिंदु देवी, प्रधान अनीता रजक और रामसजीवन रजक रहे। सीएचसी फूलपुर में जनप्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं ने मरीजों को फल बांटे। मौके पर नगर पंचायत फूलपुर के चेयरमैन अमरनाथ यादव, सीएचसी अधीक्षक नीरज पटेल, राहुल विश्वकर्मा, अजय मौर्य, राजेश गुप्ता, अनिल मौर्य रहे। सहसों में केक काटकर युवाओं ने प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया। मौके पर अनिरुद्ध पटेल, पुष्कर सिंह, राजधर द्विवेदी, पवन शुक्ला, संतोष भारतीय, राजेश सरोज रहे। मंसूराबाद के सम्हई में भी प्रधानमंत्री का जन्मदिन मनाया गया। मौके पर भाजपा नेता विनोद कुमार ओझा, सुरेश पटेल, प्रशांत गुप्ता, कुलदीप शुक्ल, सुनील शुक्ल, तीरथ केसरवानी आदि रहे। जसरा सीएचसी में विधायक वॉचस्पति ने मरीज को फल वितरित किया।

गणेश उत्सव पंडाल में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रयागराज। स्थानीय बाजार में गणेश उत्सव के चौथे दिन बृहस्पतिवार शाम पंडाल में भक्तों की भारी भीड़ जुटी। श्रद्धालुओं

ने भगवान गणेश की विधि–विधान से पूजा कर सुख–समृद्धि की कामना की। आरती के समय पंडाल श्रगणपति बप्पा मोरयाश्र के जयकारों से गूंज उठा। गणेश उत्सव पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग–बिरंगी रोशनी और भक्ति गीतों से आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। देर शाम भाजपा नेता दीपा मौर्य भी पंडाल पहुंची और पूजा–अर्चना की। मौके पर कुल्लू सेठ, पवन कुमार मोदनवाल, अजय चौधरी आदि रहे।

मंत्री स्वतंत्र देव ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर निषादराज पार्क में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह इसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने दीप

प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। मौके पर डीएम मनीष वर्मा, सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, अमरजीत मौर्य, उमेश द्विवेदी,एसडीएम सोरांव भारती मीणा आदि रहे।

पानी जमा, मच्छर बढ़े... बीमारी से बचाव के लिए धनराशि का इंतजार

प्रयागराज। गांवों में बारिश का पानी अभी पूरी तरह निकला भी नहीं है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कहीं नालियों

में पानी जमा है तो कहीं खाली स्थानों पर जलभराव से गंदगी पसरी है। इसके बावजूद 67 ग्राम पंचायतों में मच्छररोधी दवा और ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव के लिए धनराशि नहीं पहुंची है। क्षेत्र के ग्राम प्रधान यशवंत यादव, पंधारी लाल और राकेश कुमार ने बताया कि स्वच्छता अभियान के तहत पहले प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई जाती थी। यह रकम ग्राम प्रधान और एएनएम के संयुक्त खाते में भेजी जाती थी।

इसी धनराशि से मानसून से पहले जलभराव वाले स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर और मच्छररोधी दवाओं का छिड़काव कराया जाता था। समय से छिड़काव होने से मच्छरों के प्रकोप को नियंत्रित करने में मदद मिलती थी।

ताला तोड़कर लूट का आरोप, छह पर प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। रजवापुर गांव में बंद मकान का ताला तोड़कर जेवरात और नकदी लूटने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर एक किशोरी की बाली भी नोची गई। पुलिस ने इस मामले में 6 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। ग्राम रजवापुर निवासी शरीकुन निशा ने आरोप लगाया है कि उनके देवर और परिजनों ने यह घटना की है। पारिवारिक बंटवारे को लेकर उन्होंने बंद मकान का ताला तोड़ा। आरोपियों ने सोने के जेवरात और 5 हजार रुपये नकद निकाल लिए। शरीकुन निशा की बेटी खुशबू के साथ मारपीट भी की गई।

बांग्लादेशी डॉक्टर को चार दिन थाने में बिठाने के बाद दिखाई गिरफ्तारी, थाना प्रभारी समेत दो निलंबित

प्रयागराज। मेजा में बांग्लादेशी नागरिकता वाले डॉक्टर को पकड़ने के चार दिन बाद गिरफ्तार दिखाना पुलिस अधिकारियों को भारी पड़ गया। मामले की जांच में सामने आए सीसीटीवी फुटेज ने थाने की कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े किए। पुलिस आयुक्त के आदेश पर मेजा थाना प्रभारी जितेंद्र शुक्ला और अतिरिक्त प्रभारी कमलेश यादव को निलंबित कर दिया गया।

बांग्लादेशी डॉक्टर को पकड़ने के बाद चार दिन बाद गिरफ्तारी दिखाने पर मेजा थाना प्रभारी जितेंद्र शुक्ला और अतिरिक्त प्रभारी कमलेश यादव को निलंबित कर दिया गया है। मेजा में करीब 20 साल से यहां रह रहा डॉ. कमलेश विश्वास उर्फ सुजल 15 अगस्त को पुलिस ने पकड़ा था, लेकिन उसकी गिरफ्तारी 19 अगस्त को दिखाई गई। मामले की जांच में सामने आए सीसीटीवी फुटेज ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। इसके बाद पुलिस आयुक्त के आदेश पर कार्रवाई की गई।

डॉ. कमलेश विश्वास उर्फ सुजल मेजा के सोनार का तारा (ऊंचडीह) इलाके में लंबे समय से क्लीनिक चला रहा था और मरीजों का इलाज करता था। जांच में उसके बांग्लादेशी नागरिक होने की बात सामने आई। उसके पास से दो अलग–अलग नामों से बने आधार कार्ड बरामद किए गए। इसके अलावा मार्कशीट और टीसी के आधार पर बनवाया गया भारतीय पासपोर्ट भी पुलिस ने बरामद किया, लेकिन को वीजा नहीं था।

आरोप है कि डॉक्टर को 15 अगस्त को क्लिनिक से ही पुलिस पकड़कर थाने ले आई थी, जबकि उसकी गिरफ्तारी चार दिन बाद 19 अगस्त को दिखाई गई और उसे कोर्ट के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया। बाद में मामले को खुलासा सीसीटीवी फुटेज से हुआ, जिसके बाद पीड़ित पक्ष न्यायालय पहुंचा और फिर मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई करने का आदेश दिया। डीसीपी यमुनापार विवेक चंद्र यादव ने थाना प्रभारी जितेंद्र शुक्ला और अतिरिक्त प्रभारी कमलेश यादव के निलंबन की पुष्टि की है।

पूर्व मंत्री की मौत पर मुआवजा बढ़ाने की मांग खारिज, कहा- हैसियत से नहीं, साक्ष्य से तय होगी आय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना मुआवजे के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की सामाजिक या पेशेवर हैसियत उसकी आय तय करने का आधार नहीं हो सकती। आय का निर्धारण केवल रिकॉर्ड पर उपलब्ध विश्वसनीय साक्ष्यों के आधार पर किया जाना चाहिए। कोर्ट ने पूर्व कैबिनेट मंत्री नंदलाल सिंह पटेल की मौत के मामले में मुआवजा बढ़ाने की मांग वाली अपील खारिज कर दी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मोटर दुर्घटना मुआवजे से जुड़े एक मामले में कहा कि किसी व्यक्ति की सामाजिक या पेशेवर हैसियत को उसकी आय तय करने का आधार नहीं बनाया जा सकता। आय का निर्धारण रिकॉर्ड पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही किया जाना चाहिए। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने पूर्व कैबिनेट मंत्री नंदलाल सिंह पटेल की मौत पर ट्रिब्यूनल की ओर से तय मुआवजे को बढ़ाने की मांग में दायर अपील खारिज कर दी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अनिल कुमार–दशम की एकल पीठ ने प्रयागराज की कमला देवी की प्रथम अपील पर दिया। याची मृतक की आश्रित हैं। इलाहाबाद–रायबरेली मार्ग पर 15 मई 1999 को हादसे में नंदलाल की मौत हो गई थी। मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल ने उनकी वार्षिक आय 90 हजार रुपये मानकर 7,84,500 रुपये मुआवजा निर्धारित किया था। याची ने कम बताते हुए मुआवजा बढ़ाने की मांग में हाईकोर्ट में अपील दायर की।

आयकर रिटर्न अंतिम साक्ष्य नहीं

याची की ओर से दलील दी गई कि नंदलाल सिंह पटेल प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री के साथ ही अधिवक्ता भी थे। उनकी आय 1.60 लाख रुपये सालाना बनती है। आयकर रिटर्न में यही आय दर्शायी गई थी। उनकी पेशेवर व सामाजिक हैसियत के अनुरूप ने 90 हजार रुपये वार्षिक आय पहले ही निर्धारित की थी, जो उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्वयं अधिक मानी गई। इसलिए मुआवजा बढ़ाने का कोई आधार नहीं है।

ट्रिब्यूनल ने कम आय तय की है। कोर्ट ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल कर देने से उसमें दर्ज आय हर मामले में निर्णायक रूप से साबित नहीं हो जाती।

कोर्ट ने कहा मुआवजा न्यायसंगत होना चाहिए

इस मामले में 1.60 लाख रुपये की आय के समर्थन में कोई संतोषजनक साक्ष्य नहीं था। इसके विपरीत ट्रिब्यूनल कोर्ट ने भविष्य की संभावनाओं, व्यक्तिगत खर्च में कटौती और अन्य मदों में वृद्धि की मांग भी स्वीकार नहीं की। कहा कि मुआवजा न्यायसंगत और उचित होना चाहिए। प्रत्येक मद को यांत्रिक ढंग से बढ़ाना जरूरी नहीं है। अंततः कोर्ट ने ट्रिब्यूनल के मुआवजा आदेश में हस्तक्षेप से इन्कार कर दिया।

सीएम के खिलाफ ईमेल भेजने के आरोपी को सशर्त जमानत, ढाई साल से जेल में बंद है आरोपी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक बातें लिखकर ई–मेल भेजने के आरोपी मुबारक अली को सशर्त जमानत दे दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएम योगी आदित्यनाथ के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक बातें लिखकर ई–मेल भेजने के आरोपी मुबारक अली को सशर्त जमानत दे दी है। आरोपी करीब ढाई साल से जेल में बंद था। यह आदेश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकल पीठ ने दिया। आरोपी के खिलाफ 2024 में महराजगंज के भितौली थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। आरोप है कि उसने सीएम के खिलाफ कथित अपमानजनक बातें लिखकर ईमेल से मैसेज भेजा था। कोर्ट ने मुकदमे की प्रगति की जानकारी मांगी थी। 23 जुलाई 2026 तक केवल चार गवाहों के बयान दर्ज हुए थे, जबकि आरोपपत्र में 26 गवाहों से पूछताछ बाकी थी। मुकदमे की धीमी गति और जेल में बिताई अवधि को देखते हुए कोर्ट ने जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

चर्च की जमीन पर यथास्थिति का आदेश

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रयागराज में चर्च की विवादित जमीन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया ट्रस्ट एसोसिएशन प्रयागराज की याचिका पर दिया।

याची की ओर से अधिवक्ता एडी सॉन्डर्स ने कोर्ट को बताया कि प्लॉट संख्या 423 की 0.573 हेक्टेयर भूमि पर राज्य सरकार ने मंडलीय मुख्यालय के एकीकृत भवन के निर्माण के लिए 90 वर्ष की लीज स्वीकृत की है। याचिका में इस नई लीज को चुनौती देते हुए कहा गया है कि भूमि पहले से ही पुरानी लीज के अधीन है। ऐसे में नई लीज जारी कर निर्माण कराना उचित नहीं है। कोर्ट ने मामले में निर्देश प्राप्त करने को कहा है। अगली सुनवाई 12 अक्तूबर को होगी।

श्रम, कौशल और तकनीक से औद्योगिक प्रगति संभव: पीके सिंह

प्रयागराज। भगवान विश्वकर्मा श्रम, सृजन और तकनीकी दक्षता के प्रतीक हैं। औद्योगिक प्रगति में मशीनों के साथ कर्मचारियों का कौशल और समर्पण भी महत्वपूर्ण है। कार्यस्थल पर सुरक्षा, गुणवत्ता और तकनीकी दक्षता को प्राथमिकता देकर बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं। विश्वकर्मा पूजा हमें कर्म के प्रति निष्ठा और उत्कृष्टता की प्रेरणा देती है। यह बातें इफको फूलपुर संयंत्र के वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं इकाई प्रमुख पीके सिंह ने कहीं।

इफको फूलपुर की केंद्रीय कार्यशाला यांत्रिक में भगवान विश्वकर्मा की पूजा–अर्चना पूरे विधि–विधान से हुई। पीके सिंह ने मुख्य यजमान राकेश कुमार राय के साथ गणपति एवं भगवान विश्वकर्मा का पूजन, हवन और आरती की।

केंद्रीय कार्यशाला में अमरनाथ गुफा के हिम शिवलिंग बाबा बर्फानी की आकर्षक झांकी तैयार की गई। मौके पर महाप्रबंधक पीके पटेल, रत्नेश कुमार, डॉ. अनीता मिश्र, एके गुप्ता, अरुण कुमार, शंभू शेखर, अनुराग तिवारी और स्वयं प्रकाश आदि रहे। इधर, जगतपुर के बलरामपुर बरेठी, नेमी थरिया, मोतिहा सहित विभिन्न गांवों में भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई। इधर, सहसों में लोगों ने अपने कामकाजी उपकरणों और मशीनों की पूजा की। इधर, लेड़ियारी में भी भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई गई। मौके पर ब्रह्मा शंकर तिवारी, राजेश त्रिपाठी, आशुतोष, आशीष द्विवेदी, धर्मराज सोनी और मुन्ना सिंह रहे।

छत के रास्ते घुसे चोर, पांच लाख के जेवर ले उड़े

प्रयागराज। बुधवार रात जारी बाजार में चोर छत के रास्ते जवाहर इंटर कॉलेज के सामने रहने वाले श्याम बाबू के घर में दाखिल हुए। परिवार कमरे में सोता रह गया और चोरों ने पीछे की अलमारी का लॉक खोलकर चोरी की। चोर करीब पांच लाख

रुपये के जेवर, दो मोबाइल और दो हजार रुपये नकद ले गए। यह वारदात जारी चौकी से महज 800 मीटर दूर हुई। सुबह चोरी का पता चलने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अनिल पांडेय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। परिवार ने आसपास घरों में काम करने वाली कुछ महिलाओं पर संदेह जताया है। लिखित तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कि गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले छह माह में करीब 100 मीटर के दायरे में तीन चोरियां हो चुकी हैं।

आग से झुलसकर युवक की मौत

प्रयागराज। सराय लिली उर्फ खोजापुर गांव निवासी 35 वर्षीय गुलाब सिंह की आग से झुलसने के बाद मौत हो गई। बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। गुलाब सिंह शहर में ऑटो रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी प्रमिला देवी, दो बेटे सत्यम और विक्की तथा माता राम सुमारी हैं। आग लगने पर परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग पर काबू पाया और

गंभीर रूप से झुलसे गुलाब सिंह को अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुलाब सिंह की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। आग किन परिस्थितियों में लगी, यह स्पष्ट नहीं हो सका है।

रायबरेली एम्स में दाखिला लेने जा रहा छात्र गंगा गोमती एक्सप्रेस से गिरा, मौत

प्रयागराज। गंगा गोमती एक्सप्रेस से रायबरेली एम्स में तीसरे सत्र का दाखिला लेने जा रहा मेडिकल का छात्र हादसे का शिकार हो गया। बोगी के गेट पर खड़े युवक का अटरामपुर रेलवे स्टेशन के पहले आदमपुर गांव के सामने आउटर सिग्नल 12/12 नंबर पिलर से टकराने से मौत हो गई। हादसे के दूसरे दिन बृहस्पतिवार सुबह पुलिस को शव मिला। शिनाख्त के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिहार के मुंगेर जिले के थाना कोतवाली, नीति बाग रायसर निवासी उत्तम कुमार पश्चिम रेलवे मुंबई में टेक्नीशियन ग्रेड–2 के पद पर कार्यरत हैं। उनका इकलौता बेटा हर्षराज (20) का एम्स रायबरेली में दाखिला कराने के लिए पूरा परिवार बीते सोमवार को मुंबई से रवाना हुआ था। उत्तम कुमार ने बताया कि प्रयागराज के एक होटल में ठहरने के बाद बुधवार सुबह परिवार प्रयागराज संगम स्टेशन से गंगा गोमती एक्सप्रेस से रायबरेली के लिए रवाना हुआ था। सफर के दौरान हर्ष ट्रेन के गेट पर खड़ा था। अटरामपुर रेलवे स्टेशन के पहले आदमपुर गांव के सामने पोल संख्या 12/12 के पास तेज रफ्तार ट्रेन का झटका लगने से छिटककर वह नीचे पानी से भरे गड्ढे में गिर गया।

युवक के लापता होने पर पिता लालगोपालगंज स्टेशन से बेटे की खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चला। अनहोनी की आशंका में वह जीआरपी फाफामऊ को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस एवं परिजन छात्र की तलाश में जुट गए थे।

बेटे की खोज में पड़े छाले

इकलौते बेटे की गुमशुदगी से बेहाल पिता उत्तम कुमार ने हार नहीं मानी। वह जीआरपी की मदद के साथ खुद फाफामऊ रेलवे स्टेशन से ट्रैक के किनारे पैदल ही निकल पड़े। ढूंढते–ढूंढते उनके पैरों में छाले पड़ गए, लेकिन उनका हौसला नहीं डगमगाया। बृहस्पतिवार सुबह जब वह अटरामपुर स्टेशन के आउटर सिग्नल से 200 मीटर पहले पहुंचे, तो ट्रैक किनारे बेटे की चप्पल दिखाई दी। पास ही पानी से भरे गड्ढे में देखने पर हर्ष का शव मिला, जिसे देखते ही पिता बदहवास हो गए।

मां के सूखे आंसू, बहन का रो–रोकर हाल बेहाल

हर्ष इकलौता बेटा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही मां प्रिया कुमारी बेटे के गम में सुध–बुध खो बैठी। बहन भारती कुमारी का रो–रोकर हाल बेहाल है। गत वर्ष डेंटल में हर्ष को मौका मिला, लेकिन उसकी प्रतिभा को देखकर परिजन संतुष्ट नहीं हुए। परिजन हर्ष को डॉक्टर बनाना चाहता था।

मेजा में पटरी से उतरी बिजली व्यवस्था, 103 गांवों में अंधेरा

प्रयागराज। इलाके की बिजली व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। दिन के अलावा रात में की जा रही कटौती ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। बुधवार आधी रात तक मेजा के 103 गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली की अघोषित कटौती से पानी की समस्या भी खड़ी हो गई है। इस समय अघोषित कटौती चरम पर है। ग्रामीणों को 24 घंटे में केवल सात–आठ घंटे ही बिजली मिल पा रही है। मेजा के पताई डांड़ी के अजय कुमार ने अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने रात्रि में हो रही बिजली कटौती बंद करने की मांग की है। आरोप है कि रात नौ बजे बिजली काट दी जाती है और सुबह 4–5 बजे आती है। इससे रात भर बिजली बाधित रहती है। मनूकापूरा के अरविन्द मिश्रा ने बिजली कर्मियों की लापरवाही का आरोप लगाया है। एसडीओ मेजा सुरजीत कुमार ने बताया कि कटौती ऊपर से हो रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही बिजली कटौती बंद होगी। सुरजीत कुमार ने कहा कि इसके बाद सुचारू रूप से बिजली आपूर्ति होगी। लालतारा बिजली उपकेंद्र के अंतर्गत अघोषित कटौती और लो–वोल्टेज की समस्या से ग्रामीण व स्थानीय व्यापारी परेशान हैं। जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा से लोगों में गुस्सा है। ग्रामीण काका जैन ने बताया कि प्रतिदिन रोस्टिंग के नाम पर घंटों बिजली काटी जाती है। बिना सूचना कटौती से स्थानीय व्यापार चौपट हो गया है।

पोष्टर और भाषण प्रतियोगिता में दिखा बच्चों का हुनरः भाषण में श्वेता और पोस्टर प्रतियोगिता में रंजना रहीं विजेता

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित श्री बृज मंगल सिंह इंटर कॉलेज के सांस्कृतिक सभागार में शुक्रवार को श्मेरे सपनों का भारतश के अन्तर्गत पोस्टर और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान भाषणप्रतियोगिता में 15 और पोस्टर में 27बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरान्त घोषित परिणाम में भाषण में 12विज्ञान वर्ग की छात्रा श्वेता पाल प्रथम

रहीं।श्रद्धा को दूसरा और आयूषी को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।जबकि मुस्कान और मरियम सिद्दीकी क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं।इसी प्रकार पोस्टर में बेहतरीन चित्रकारी कर रंजना ने पहला स्थान प्राप्त किया। जबकि काजल,शालिनी,सना और प्रिंसी क्रमशः दूसरे,तीसरे,चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। निर्णायक मण्डल में प्रवक्ता प्रदीप कुमार,जीतेन्द्र कुमार, मोहम्मद परवेज़ सिद्दीकी, शिक्षिका मालती शर्मा,सुधा सिंह शामिल रहीं।

प्रतियोगिता का संचालन शिक्षक डा.के.केत्रिपाठी ने किया।विजेता और प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करते हुए प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कहा कि राष्ट्र के बहुमुखी विकास और सभी क्षेत्रों में देश को आत्मनिर्भर बनने के लिए युवाओं की भी अहम भूमिका है। इसी के चलते वास्तविक रूप में अपने अमर शहीदों और महापुरुषों की सोच साकार होगी और उनके सपनों के भारत का नवनिर्माण भी होगा।इस मौके पर प्रवक्ता जगत पाल, विजय सिंह,सुरेश कुमार,हरिशंकर त्रिपाठी,आरती शुक्ला,विश्वेश ओझा,कमलाशंकर त्रिपाठी,कंचन पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

हिन्दी दिवस पखवाड़ा के अन्तर्गत जौनपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जौनपुर। शहर समता विचार मंच जौनपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी डॉ मधु पाठक के संयोजन में अर्चना चौहान की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि डॉ पूनम श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि डॉ सुषमा मिश्रा, डॉ रीना श्रीवास्तव रहीं। यह काव्य गोष्ठी गूगल मीट के द्वारा शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही अर्चना चौहान द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति तृप्ति (छात्रा) के द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन डॉ मधु पाठक ने किया। इस काव्य गोष्ठी में डॉ

सुषमा मिश्रा ने श यूं ही नहीं उसने घर मेरा जलाया होगा,श डॉ रेणुका पांडेय ने शहिंदी दिवस श, डॉ रीना श्रीवास्तव ने श्क्या लिखूं मैं श, तृप्ति ने श्तुम ही मेरी चाह में,श्डॉ पूनम श्रीवास्तव ने शए आईश, श्वेता शर्मा ने शविदेश की धरती पर हिन्दी श,डॉ मधु पाठक ने श ऐ अमृत की संतान सुनो श,रचना के पाठ से काव्यगोष्ठी को सफल बनाया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मधु पाठक ने किया।

भैंस चोर जेल पहुंचे तो पुलिस का किया सम्मान

बिसावली के ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी समेत पुलिस टीम को पगड़ी–पटुका पहनाकर किया सम्मानित

मथुरा। बिचपुरी चौकी क्षेत्र में भैंस चोरी का खुलासा कर आरोपियों को जेल भेजने पर ग्राम बिसावली के ग्रामीणों ने पुलिस टीम का जोरदार स्वागत किया। पुलिस ने चोरी गई भैंस

और पड़िया बरामद कर आरोपियों को संबंधित धाराओं में जेल भेजा था। ग्राम प्रधान चंद्रवीर सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी कुशल पाल सिंह और पुलिसकर्मियों को पगड़ी व पटुका पहनाकर सम्मानित किया। स्मृति चिह्न भेंट करने के साथ मिठाई खिलाई गई। ग्रामीणों ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए पुलिस प्रशासन का आभार जताया। इस दौरान होशियार सिंह, जुगेंद्र सिंह, नेतरपाल, श्यामवीर सिंह, जगवीर सिंह और जीतू चौधरी समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

एनसीसी रैंक अलंकरण समारोह आयोजित

लखनऊ,संवाददाता। आज दिनांक 18 सितंबर 2026 को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग के तत्वावधान में महाविद्यालय प्रांगण में रैंक अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिस में सत्र 2026–27 के लिए एनसीसी कैडेट्स को उनकी योग्यता, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता के आधार पर बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल (डॉ.) दिनेश कुमार पाठक की स्वीकृति के बाद विभिन्न रैंक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन से सूबेदार मेजर किशोर लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की, जबकि कार्यक्रम का संयोजन व संचालन एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.)मनमीत कौर सौढ़ी द्वारा किया गया। सीनियर अंडर ऑफिसर का रैंक आस्था त्रिपाठी को तथा अंडर ऑफिसर का रैंक लक्षिका किशोर, सृष्टि नायक एवं प्रीति कुमारी को प्रदान किया गया। इसी क्रम में सार्जेंट रैंक निष्ठा रस्तोगी,अरुंधति यादव,खुशी निषाद, दिव्यांशी वर्मा एवं प्रिया तिवारी , कॉरपोरल के रैंक से कैडेट कशिश, तथा अलीशा को लांस कॉरपोरल के रैंक से अलंकृत किया गया।

हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय, प्रयागराज में हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 14 सितंबर से 29 सितंबर तक विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 18 सितंबर को भाषण प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर विनिता यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामयी वातावरण में हुआ। इस अवसर पर जगदीश सिंह दीक्षित सर ने हिंदी भाषा की महत्ता, उसकी व्यापकता तथा वर्तमान समय में उसकी प्रासंगिकता पर अत्यंत प्रभावशाली एवं सारगर्भित वक्तव्य प्रस्तुत किया। उनके वक्तव्य ने उपस्थित विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति आत्मीयता और गौरव–बोध से भर दिया।

मुख्य अतिथि कुलसचिव प्रोफेसर विनिता यादव ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि अपनी भाषा हिंदी को केवल व्यवहार की भाषा न मानकर प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने हिंदी के व्यापक प्रयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनका उद्बोधन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी रहा।

इस अवसर पर हिंदी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशुतोष कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि

प्रोफेसर विनिता यादव का स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने अभिभावक–सदृश भाव से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी को संकोच के साथ नहीं, बल्कि पूरे उत्साह, प्रसन्नता और गौरव के साथ खुले मन से अपनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को नशे से मुक्त, स्वस्थ एवं सृजनात्मक जीवन जीने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अलका मिश्रा एवं डॉ. अजीत सिंह उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सह–संयोजक डॉ. बबलू यादव एवं विभाग के शोधार्थी किसलय सिंह ने कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावशाली संचालन किया। उनके सुचारु संचालन ने कार्यक्रम को गरिमा और गति प्रदान की।

भाषण प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा, साहित्य, समाज तथा समकालीन संदर्भों से जुड़े विविध विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की अभिव्यक्ति, भाषिक दक्षता एवं विषय–वस्तु ने सभी को प्रभावित किया।

प्रतियोगिता में अभीजीत तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें विभाग की आचार्या डॉ. अलका मिश्रा द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन हिंदी के प्रति सम्मान, आत्मीयता और गौरव की भावना के साथ हुआ। संपूर्ण आयोजन ने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी संवेदना, संस्कृति, विचार और आत्माभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। साथ ही नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए युवा पीढ़ी की जिम्मेदारी को भी रेखांकित किया गया।

इस प्रकार हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति प्रेम, आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति–कौशल और सामाजिक चेतना विकसित करने की दिशा में एक सार्थक एवं प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुई।

किशोरों के उज्ज्वल भविष्य के लिए न्यायपालिका की पहल, मिले पांच कंप्यूटर

जनपद न्यायाधीश ने सम्प्रेक्षण गृह में भेंट किए कंप्यूटर, तकनीकी प्रशिक्षण से आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

मथुरा। किशोरों के पुनर्वास और उन्हें तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए

न्यायपालिका ने पहल की है। जनपद न्यायाधीश विकास कुमार ने शुक्रवार को राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का भ्रमण कर क्व्छम्त – ळल्त्ै के सहयोग से वहां आवासित किशोरों के लिए पांच डेस्कटॉप कंप्यूटर सिस्टम भेंट किए। इन कंप्यूटरों के जरिए किशोरों को नियमित तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जनपद न्यायाधीश ने कहा कि सम्प्रेक्षण गृह में आवासित बालकों को सकारात्मक दिशा देना शासन और न्यायपालिका की संयुक्त प्राथमिकता है। कंप्यूटर प्रशिक्षण से किशोर आधुनिक सूचना तकनीक और रोजगारोन्मुखी ज्ञान से जुड़ सकेंगे। इससे उनके सामाजिक पुनर्वास और रिहाई के बाद आत्मनिर्भर बनने के अवसर बढ़ेंगे।

किशोरों की सुविधाओं का भी लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने सम्प्रेक्षण गृह की आवास व्यवस्था, भोजनालय और स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए।

नियमित होंगी प्रशिक्षण कक्षाएं

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अनीता सिंह ने किशोरों के विधिक अधिकारों और सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डालते हुए नियमित प्रशिक्षण सत्र संचालित करने पर जोर दिया। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने बताया कि कंप्यूटर उपलब्ध होने के बाद किशोरों के लिए सुव्यवस्थित कंप्यूटर शिक्षा कक्षाएं शीघ्र शुरू की जाएंगी।

कार्यक्रम में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे सूर्यभान कुमार वर्मा, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मथुरा परविन्दर सिंह, संस्था प्रभारी प्रभाकर सिंह सहित न्यायालय एवं संस्था के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में इमोशनली सेफर कैंपस कार्यशाला का सफल आयोजन

लखनऊ,संवाददाता। नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं अभिव्यक्ति क्लब मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान द्वारा मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग, आईएमसीईई तथा सकारात्मक मनोविज्ञान क्लब के संयुक्त तत्वावधान में 'रीबिल्डिंग माइंड्स' तथा 'मनस्य' के सहयोग से इमोशनली सेफर कैंपस विषय पर एक विशेष संवेदीकरण सत्र का आयोजन मिनी ऑडिटोरियम में किया गया। सत्र की शुरुआत मनोवैज्ञानिक दीक्षा अग्रवाल ने की, जिन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कॉलेज केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उससे कहीं अधिक विस्तृत अनुभव है। उन्होंने छात्राओं को परिसर में सहज महसूस करने तथा परिसर जीवन की चुनौतियों का सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सामना करने पर बल दिया। इसके पश्चात दोनों वक्ताओंकृविशाखा राठी एवं दीक्षा अग्रवाल द्वारा संयुक्त रूप से परिचर्चात्मक सत्र का संचालन किया गया, जिसमें छात्राओं से व्यावहारिक व परिस्थितिजन्य गतिविधियाँ करवाई गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से यह समझाया गया कि किसी साथी को भावनात्मक संबल देना कितना सरल हो सकता है, जैसे जरूरत पड़ने पर केवल उनकी बात सुनना या उन्हें अपनी बात रखने का खुला अवसर और स्थान देना। सत्र के दौरान छात्राओं ने भी खुलकर संवाद किया और अपने व्यक्तिगत डर, संकोच व चिंताओं को साझा किया, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान सुझाया। साथ ही मानसिक शांति, एकाग्रता और तनाव मुक्ति के लिए छात्राओं को योग एवं प्राणायाम के महत्व से अवगत कराते हुए इन्हें दिनचर्या में शामिल करने की प्रेरणा दी गई। इसके उपरांत छात्राओं से क्यूआर कोड स्कैन कराकर 'मनस्य' ऐप डाउनलोड कराया गया और ऐप के माध्यम से उनका डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य मूल्यांकन संपन्न हुआ। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में विचार व्यक्त करते हुए 'रीबिल्डिंग माइंड्स' की संस्थापक व मनोवैज्ञानिक विशाखा राठी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करने के बजाय अपनी भावनाओं को समझना और स्वीकार करना ही भावनात्मक संतुलन की पहली सीढ़ी है, ताकि शैक्षणिक परिसर हर विद्यार्थी के लिए एक सुरक्षित मंच बन सके। वहीं मनोवैज्ञानिक दीक्षा अग्रवाल ने कहा कि तनाव या भावनात्मक संकट के शुरुआती संकेतों को पहचानना और एक–दूसरे के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखना बेहद जरूरी है, जिससे कई जटिल समस्याओं का समाधान समय रहते संभव हो सके। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने कहा कि छात्राओं के समग्र विकास हेतु शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ मानसिक व भावनात्मक संबलता अत्यंत आवश्यक हैय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा–निर्देशों तथा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य व कुशल–क्षेम को लेकर सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों के अनुरूप महाविद्यालय परिसर में एक सुरक्षित, सकारात्मक और तनावमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन प्रो. विनीता सिंह द्वारा किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र में आईक्यूएसी तथा महाविद्यालय की वरिष्ठ प्रवक्ताएं प्रो. संगीता कोतवाल, प्रो. मंजू गुप्ता, प्रो. सीमा सरकार, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. नेहा अग्रवाल, डॉ .सोनल अग्रवाल डॉ. गगनप्रीत कौर, डॉ. सुकन्या तिवारी, मानशी, तथा अन्य संकायों की सम्मानित प्रवक्तागण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

परिभाषा अनमोल

(छप्पय)

रहता जहाँ सकून बचपना गाना गाता।
अच्छी वही सराय जगत में घर कहलाता।
ममता,वृक्ष–समान ठाँव अरु छाया बन के।
करती केवल प्यार सदा सबका दुख सुन के।
अनुशासन में रह रहे रिश्ते जो अनमोल हैं।
तिक्त–मधुर संवाद है लेकिन मीठे बोल हैं।।

मधुर बन्ध के साथ प्रेम की भाषा रच के।
करें अश्रु तकरार प्रेम के आँसू बन के।
परिभाषा अनमोल मोल रिश्तो का अद्भुत।
सच्ची यह तस्वीर मकाँ करते हैं प्रस्तुत।
बसा रही ममता जहाँ खुशियों के संसार को।
वहीं स्वर्ग–सा घर दिखा रखते सब की बात को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

2047 तक समाजवादी पार्टी की सरकार नही आने वाली–केशव

लखनऊ,संवाददाता। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा 2047 तक समाजवादी पार्टी की सरकार नही आने वाली है।यूपी में बीजेपी की हैट्रिक तय है। विपक्ष के पास न कोई विजन है और न कोई नीति।मीडिया से मुखातिब उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्ष पर कहा कि मैंने बार–बार कहा कि इंडी पूरी तरह से फर्जी है। सत्ता पाने के मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं, वह पूरा ही नहीं होगा 2047 तक। विपक्ष समझे नकल करने से असलियत नहीं आती, असलियत के लिए असली दिल चाहिए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं.: पीआरवाइजे-सिग-039-2026-27 दिनांक: 15.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/समन्वय, उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा**, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं.: 039	अनुमानित मूल्य : ₹ 94001083.60
कार्य का विवरण: चुनार जंक्शन के प्रयागराज छोर एवं हावड़ा छोर पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के साथ-साथ चुनार गुड्स शेड में एक समय में दो (02) रेक हैंडलिंग के प्रावधान हेतु सिगनल एवं दूरसंचार कार्य।	
बिड सिक्युरिटी : ₹ 1880000.00	निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधि : बारह माह	निविदा खुलने की तिथि : 13.10.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप:** निविदाकों को उपरोक्त बिड सिक्युरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्युरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्युरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ0प्र0 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्युरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी। **निविदा खुलने का समय तथा स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **निविदा की वैधता:** निविदा खुलने के 60 दिन तक। **निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार:** रेलवे प्रशासन का, किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2124/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेण्डर नं. पी आर वाइ जे-सिग-037-2026-27 दिनांक: 16.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/सम. उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा नं.: 037, **कार्य का विवरण:** (ए) प्रयागराज-कानपुर खण्ड में टी.एस.आर. (पी) (38.942 कि.मी.) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (बी) प्रयागराज-कानपुर खण्ड में सी.टी.आर. (एस) (17.661 कि.मी.) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (सी) दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज खण्ड में टी.एस.आर. (पी) (15.064 कि.मी के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (डी) प्रयागराज-कानपुर खण्ड में टी.आर.आर. (पी) (9.006 कि.मी.) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (इ) दीनदयाल उपाध्याय-प्रयागराज खण्ड में टी.आर.आर. (पी) (1.494 कि.मी.) के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य, (एफ) चुनार-चोपन खण्ड में (45 सेट्स) चुनार-चोपन, शिकोहाबाद-फर्रुखाबाद, बरहन-एटा, कानपुर-कानपुर अनवरगंज एवं इटावा-मैनपुरी टी.टी.आर. (टी.डब्लू.एस)- 88 सेट्स के लिये संकेत एवं दूरसंचार का कार्य।

अनुमानित मूल्य : ₹ 1,57,00,275.76	धरोहर राशि : ₹ 3,14,000.00
निविदा प्रपत्र का मूल्य : ₹ 0.00	कार्य समापन की अवधि : बारह माह।
निविदा खुलने की तिथि : 13.10.2026	निविदा की वैधता : निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्युरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्युरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्युरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ.प्र. स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्युरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2125/26 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 : 8020262027 दिनांक : 16.09.2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 14.10.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं0 : 171	कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.) : 8,49,10,960.00
कार्य का विवरण : वरिष्ठ मंडल अभियंता/द्वितीय/प्रयागराज के अधिकार क्षेत्र में प्रयागराज-कानपुर खंड के मध्य अलग-अलग यार्डों तथा स्थानों पर 65 मि0मी0 गेज वाली, मशीन द्वारा तोड़ी गयी 29000 क्यू0मी0 कठोर ग्रेनाइट स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति स्टैकिंग तथा लोडिंग का कार्य।	
बयाने की रकम (रू.) : 16,98,200.00	कार्य समापन की अवधि : 12 (बारह) माह
निविदा खुलने की तिथि : 14.10.2026	

"सिमिलर वर्क" के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : मशीन द्वारा तोड़ी गयी स्टोन बैलास्ट/मशीन द्वारा तोड़ा गया कोर्स स्टोन एग्रीगेट की आपूर्ति का कार्य।

नोट- 1: निविदाकारों को अपने निविदा प्रपत्र के साथ निम्नलिखित टेस्ट रिपोर्ट देना होगा, जो किसी मान्यता प्राप्त राजकीय प्रतिष्ठान/संस्थान, जिनकी सूची निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, के द्वारा निर्गत होना चाहिये, अन्यथा उनकी निविदा अविचारणीय होगी। (i) साइज ग्रेडेशन टेस्ट, (ii) एब्रेशन वैल्यू टेस्ट, (iii) इम्पैक्ट वैल्यू टेस्ट, (iv) वाटर एब्जार्पशन टेस्ट।

नोट-2: 1: ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2: उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 14.10.2026 तक उपलब्ध है। 3: उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T.Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4: निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/ लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5: निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6: माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7: संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8: निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9: बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10: किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11: ऑनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 14.10.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12: निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2127/26(AS)

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @CPRONCR

सम्पादकीय.....

स्कूल के शूल

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित करके ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी। आखिर कई स्तर पर प्रशिक्षित शिक्षक इस बात को समझने का प्रयास क्यों नहीं करते कि उन्हें छात्रों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। वे क्यों नहीं सोचते कि क्लास में सबके सामने दंडित किए जाने से बच्चे के कोमल मन–मस्तिष्क पर कैसा नकारात्मक असर पड़ेगा। शीर्ष अदालत ने सभी स्कूलों के शिक्षकों के लिए इस बाबत सभी दिशा–निर्देश स्पष्ट रूप से दे रखे हैं, लेकिन इसके बावजूद अप्रिय हो रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि कई शिक्षक इन कानूनी व नैतिक मापदंडों को ताक पर रखकर बच्चों को प्रताड़ित करते हैं। निस्संदेह, कोई भी शैक्षिक व्यवस्था किसी भी शिक्षक को निरंकुश व्यवहार करने और अपनी भड़ास निकालने की इजाजत नहीं देती। दरअसल, समय के साथ–साथ बच्चों में ऐसे भाव विकसित हो गए हैं कि वे कक्षा में सार्वजनिक रूप से अपमान व प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं करते। समाज में एकल परिवार परंपरा के प्रचलन के बाद बच्चे अभिभावकों के ध्यान के केंद्र में आ गए हैं। संयुक्त परिवारों में बच्चे मान–अपमान के प्रति इतने ज्यादा संवेदनशील नहीं होते थे। लेकिन आज घर में अकेले होने के नाते मिलने वाले विशिष्ट व्यवहार की अपेक्षा बच्चा स्कूल में भी करता है। फलतः किसी दंड या ताड़ना को वह बेहद गंभीरता से लेता है। शिक्षक बिरादरी को उनके व्यवहार को संवेदनशील ढंग से देखना होगा।

यूपीआई पर शुल्क, नोटबंदी के बाद फिर एक धोखा

डॉ. दीपक पाचपोर

मोदी सरकार ने घोषणा की है कि यूपीआई से एक बार में 2000 रुपये से ज्यादा की खरीदारी की तो 0.4 प्रतिशत शुल्क लगेगा। यानी यदि आपने किसी व्यापारी को 5000 रुपये का यूपीआई भुगतान किया तो उस पर 40 रुपये का शुल्क लगेगा।

दस साल पहले 2016 में नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी का जो फैसला लिया था, वो आम जनता के साथ कितना बड़ा धोखा था, यह अब और खुलकर नजर आ रहा है। नोटबंदी के फैसले के पीछे आतंकवाद की कमर तोड़ने और काला धन वापस लाने के जो दावे किए गए थे, वो तो पूरी तरह फेल हो ही गए, कैशलेस यानी नकदी रहित अर्थव्यवस्था भी ढकोसला ही साबित हुई, क्योंकि जानकारों का मानना है कि इस समय बाजार में नकदी प्रवाह पहले से ढाई गुना ज्यादा है। यानी लोग यूपीआई से ज्यादा नकदी लेन–देन पर ही भरोसा कर रहे हैं। और जो लोग यूपीआई को सुविधाजनक मानते हुए इसका अधिक इस्तेमाल करने लगे हैं, अब उनके भी बुरे दिन आ चुके हैं। मोदी सरकार ने घोषणा की है कि यूपीआई से एक बार में 2000 रुपये से ज्यादा की खरीदारी की तो 0.4 प्रतिशत शुल्क लगेगा। यानी यदि आपने किसी व्यापारी को 5000 रुपये का यूपीआई भुगतान किया तो उस पर 40 रुपये का शुल्क लगेगा। बेशक अभी यह शुल्क ग्राहक को नहीं देना पड़ेगा और सरकार यही तर्क अपने फैसले के बचाव में दे रही है। लेकिन साधारण समझ की बात है कि इस शुल्क को व्यापारी किसी न किसी तरह से ग्राहकों से ही वसूलेंगे, चाहे कीमतों में वृद्धि करके या किसी और सेवा के नाम पर। इसलिए मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर के रूप में लगाए जाने वाले इस शुल्क की घोषणा को कांग्रेस ने द ग्रेट यूपीआई लूट करार दिया है, जो गलत नहीं है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि नोटबंदी के समय सरकार ने डिजिटल भुगतान और कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की जो बात कही थी तो अब उसी डिजिटल भुगतान व्यवस्था पर शुल्क क्यों लगाया जा रहा है। यह तो कैशलेस अर्थव्यवस्था को निरुत्साह करने का कदम है। सवाल यह भी है कि यह फैसला बजट सत्र में क्यों नहीं लाया गया, जब वित्त मंत्री ने संसद में बजट पेश किया था, तब भी इस संबंध में चर्चा हो सकती थी। मुमकिन है विपक्ष इस बारे में कोई बेहतर सलाह या सुझाव मोदी सरकार को देता। लेकिन हमेशा की तरह बिना किसी चर्चा या विमर्श के अब यूपीआई पर टैक्स लगाया जा रहा है। पाठक जानते हैं कि यूपीआई भारतीय संस्थानों और बैंकों द्वारा ऑनलाइन लेन–देन के लिए बनाई गई भुगतान व्यवस्था है। वहीं मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर वह शुल्क है, जो व्यापारी डिजिटल भुगतान व्यवस्था पूरी करने के लिए बैंकों और पेमेंट प्रोवाइडर्स को देता है। अब तक इस एमडीआर पर कोई

शुल्क नहीं लगता था। लेकिन नए यूपीआई नियम के बाद व्यक्ति–से–व्यापारी (पर्सन टू मर्चेंट) यूपीआई लेन–देन पर 2,000 रुपए से ऊपर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगेगा। गौर करने वाली बात यह है कि यूपीआई जिन कंपनियों के जरिए होता रहा है, उसमें अमेरिकी कंपनियां लंबे समय से भारत की शुल्क रहित एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं। फोन पे, गूगल पे जैसी कंपनियां चाहती रही हैं कि एमडीआर पर शुल्क लगे। जानकारी के लिए बता दें कि भारत में पेमेंट ऐप्स में फोन पे की बाजार में हिस्सेदारी 48.9 प्रतिशत है, गूगल पे की 37.7, पेटीएम की 8.3 और बाकी 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। फोन पे में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट की है, वहीं गूगल पे तो पूरी तरह अमेरिका का ही है। अब भारत में इन कंपनियों को एमडीआर में शुल्क लगने से फायदा होगा, उनकी कमाई तो बढ़ेगी ही, उनके शेयरों की कीमतों में भी उछाल आ सकता है। कांग्रेस का कहना है कि भारत में जो लोग पहले से ही महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रहे हैं, उन्हें अब अमेरिकी कंपनियों के फायदे के लिए और आर्थिक चोट पहुंचाई जा रही है। बता दें कि नोटबंदी के फौरन बाद पेटीएम के लेन–देन में एकदम से 435 प्रतिशत का उछाल देखा गया था, आठ नवंबर को नोटबंदी हुई थी और 10 नवंबर को पेटीएम ने नरेन्द्र मोदी की तस्वीर के साथ उन्हें साहसिक फैसले की बधाई देते हुए अखबारों में पूरे पन्ने का विज्ञापन दिया था। तब अरविंद केजरीवाल ने इसकी आलोचना करते हुए लिखा था कि सर्वथा शर्मनाक बताते हुए सवाल किया था कि क्या जनता अपने प्रधानमंत्री को इस तरह निजी कंपनियों के लिए मॉडल के तौर पर देखना चाहती है। वहीं राहुल गांधी ने तो पेटीएम को पेमेंट टू मोदी ही कहा था, तब उनके बयान की काफी आलोचना हुई थी। मीडिया ने इसे राहुल गांधी की नासमझी करार दिया था। उस समय नए नोटों में चिप छिपी है, ऐसी जानकारी देने वाले पत्रकार अब यूपीआई पर लगे शुल्क को लेकर क्या कहेंगे, कैसे अमेरिका के आगे झुकने वाले फैसले को सही करार देंगे, यह देखना होगा।

पत्रकारिता के पतन और उम्मीद के बीच झूलता देश

सर्वमित्रा सुरजन

कानों सुनी पर यकीन करें न करें, लेकिन आंखों देखी पर तो भरोसा करना ही पड़ेगा। इसलिए देश की बड़ी समाचार एजेंसी एएनआई ने कहा नहीं दिखाया है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शिरकत के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच कितने सेकंड का हाथ मिलाकर अभिवादन हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एएनआई ने सितार और तबले की सुमधुर धुन के साथ डिजीटल घड़ी में समय चलते दिखाया है कि एक–दो नहीं पूरे 18 सेंकड तक मोदी और जिनपिंग हाथ मिलाते रहे। अच्छा हुआ 2014 में जब गुजरात में शी जिनपिंग के साथ नरेन्द्र मोदी ने झूला झूला था, तब एएनआई ने ये हरकत नहीं की, वर्ना पत्रकारिता के नाम पर यह जानकारी भी जनता को दी जाती कि झूला कितनी बार ऊपर गया, कितनी बार नीचे आया और कितने मिनट मोदी और जिनपिंग झूलते रहे। इससे पहले बाकी गोदी मीडिया भी ऐसी ही फिजूल जानकारियां पत्रकारिता के नाम पर परोसता रहा है, इसलिए जनता के हित से जुड़े असल मुद्दों पर चर्चा को छोड़कर आम चूस के खाते हैं या काट कर, मोदी कितने घंटे सोते हैं, थकते क्यों नहीं– जैसे सवाल उनके एक्सक्लूसिव इंटरव्यू का हिस्सा बनते हैं। जब पत्रकार ऐसे हो चुके हैं तभी तो प्रधानमंत्री खुद को नॉन बायलॉजिकल कहने का दुस्साहस भी करते हैं। दो साल पहले चुनावों से पहले मोदी ने अपने में ईश्वरीय अंश बताने वाला बेतुका बयान दिया था और इस पर कोई प्रतिप्रश्न नहीं हुआ, तब लगा कि पत्रकारिता का पूरी तरह पतन हो चुका है। लेकिन अब एएनआई समेत कई चौनलों के पत्रकारों ने इस धारणा को तोड़ा है। अभी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ही मुफ्त की चीजें पाकर गदगद हुए पत्रकारों ने वीडियो बनाकर दिखाया कि उन्हें सरकार ने सम्मेलन की रिपोर्टिंग के लिए कौन–कौन सी चीजें बैग में भरकर दी हैं। एक अच्छा सा लैपटॉप बैग, उसके भीतर बढ़िया बोतल, मखाना, बटुआ ऐसी चीजें एक पत्रकार ने अपने वीडियो में दिखाईं और आखिर में दिखाया कि हां पत्रकार हैं तो पेन और डायरी भी मिली है। गनीमत है कि उन्हें याद रहा कि वो पत्रकार हैं तो पेन और डायरी की अहमियत है। हालांकि अब मोबाइल से भी सारे काम हो जाते हैं। पर पत्रकार ये सवाल खुलकर तो नहीं कर सकते कि नया मोबाइल ही सरकार ने क्यों नहीं दे दिया। बैग समेत सारा सामान मान लें कि 10–15 हजार रुपए का हुआ, तब भी सरकार के लिए यह बहुत सस्ता सौदा है, जिसमें वो अब पत्रकारों से वही सब लिखवा और कहलवा सकती है जो वो चाहती है। इसलिए ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक महत्व के आयोजन में यही चर्चा हुई कि मोदी ने जिनपिंग से कितनी देर हाथ मिलाया और पुतिन को कैसे हाथ पकड़कर अपनी तरफ खींचा। बाकी देश के लिए इस सम्मेलन का क्या हासिल रहा, या इसका भविष्य में क्या असर दिखेगा, इन बातों पर बहुतेरे पत्रकारों ने ध्यान देना छोड़ दिया है। जो पत्रकार ध्यान देते हैं, उन्हें वैसे ही परेशान किया जाता है, जैसे लखनऊ में दिव्या श्रीवास्तव को किया गया। जी हां योगी आदित्यनाथ के साथ बिल्कुल नरेन्द्र मोदी वाला हाल हुआ। नॉर्वे में पत्रकार हेले लिंग ने प्रेस को संबोधित करने आए नरेन्द्र मोदी से पूछा था कि– आप पत्रकारों के सवालों का सामना क्यों नहीं करते और मोदी बिना जवाब दिए उठ कर चले गए थे। अब लखनऊ में योगी आदित्यनाथ ने ऐसे ही एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया और फिर उनके सहयोगी ने कहा कि पत्रकार अब जलपान के लिए आमंत्रित हैं, तो दिव्या श्रीवास्तव नाम की पत्रकार ने कहा कि आपने प्रेस वार्ता बुलाई है तो सवाल क्यों नहीं करने देते। लेकिन योगी बिना जवाब दिए उठ कर चले गए। लेकिन इसके बाद अब दिव्या श्रीवास्तव को पत्रकारिता का धर्म निभाने की सजा भुगतनी पड़ रही है। जिस संस्थान में वे कार्यरत थीं, बताया जा रहा है कि उन्हें वहां से निकाल दिया गया है। उनके घर पुलिस पूछताछ करने पहुंच गई। इसके अलावा सोशल मीडिया पर धमकियों और ट्रोलिंग का सिलसिला भी शुरु हो गया। हेले लिंग के साथ भी भारतीय मीडिया के ही कुछ पत्रकारों समेत भाजपा से जुड़े लोगों ने यही व्यवहार किया था और अब दिव्या श्रीवास्तव को सत्ता से सवाल पूछने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार ऐसे ही हथकंडों से अपने विकास की गाथाएं सुनाती है। अभी उत्तरप्रदेश में चुनाव हैं, तो फिर से पत्रकारों को 10–15 हजार के सामान के साथ कलम थमाकर याद दिलाया जाएगा कि तुम पत्रकार तो हो, लेकिन भलाई इसी में है कि सरकार के पालतू बने रहो। वैसे योगी मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार का तरीका भी अपना सकते हैं। यहां यादव सरकार पर आरोप हैं कि कुछ यूट्यूबर्स को अपने पक्ष में बोलने के लिए सरकार ने तैयार कर लिया है, जो अब उन पत्रकारों पर या लोगों पर निशाना साधते हैं जो मोहन यादव सरकार पर ऊंगली उठाते हैं। हाल ही में बालाघाट जिले में दूषित पानी के कारण कम से कम 30 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत हो चुकी है। इस मामले को कांग्रेस तो जोर–शोर से उठा ही रही है, वहीं स्कूल ठीक करो अभियान चलाने वाले अभिजित दिपके भी बीते दिनों बालाघाट पहुंचे। कॉकरोच जनता पार्टी बनाकर अभिजित दिपके किस तरह मोदी सरकार को परेशान कर चुके हैं, यह जंतर–मंतर आंदोलन ने दिखा दिया है। इसके बाद अभिजित दिपके और सीजेपी से जुड़े लोग देश भर में अलग–अलग जगहों पर पहुंच कर स्कूलों की बदहाली पर सवाल उठा रहे हैं और सरकारों को जिम्मेदारी निभाने कह रहे हैं। लोकतंत्र में ऐसे अभियानों पर आपत्ति का कोई कारण नहीं है, क्योंकि कोई संस्था हो या व्यक्ति, हर किसी को आवाज उठाने और सवाल पूछने का हक है। लेकिन अभिजित दिपके जब बालाघाट पहुंचे तो वहां उन्हें कई तथाकथित स्वतंत्र पत्रकारों ने घेर लिया और तंज कसने लगे कि आ गए लाशों पर राजनीति करने। दिपके से ऐसे सवाल करने वाले बेचारे माइकधारियों को पता ही नहीं कि कॉकरोच जनता पार्टी कोई पंजीकृत राजनैतिक दल नहीं है, न ही अब तक दिपके ने अपनी राजनैतिक प्रतिबद्धता किसी दल के साथ दिखाई है। तो वो लाशों पर राजनीति कैसे करेंगे। जहां तक सवाल पत्रकारों का है, तो अगर वे वाकई पत्रकार होते तो खुद दिपके के साथ इस बात की तह में जाने की कोशिश करते कि आखिर क्यों बच्चों को दूषित पानी पीने पर मजबूर होना पड़ा। अगर एक बच्चे की भी अकाल मौत होती है तो उस पर समूचे तंत्र को दहल उठना चाहिए कि आखिर कैसी सरकार और प्रशासन है जो मासूम बच्चे को न बचा सका, लेकिन यहां 30 से ज्यादा बच्चे मर गए और मीडिया को आपस में ही भिड़ाने का खेल सरकार ने रच दिया। लेकिन बालाघाट में भी पत्रकार माधुरी कटरे ने अपने तर्कों से जनसंपर्क विभाग की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क विभाग स्थानीय पत्रकारों और जिले के बाहर से आए इन्फ्लुएंसर्स के बीच एक श्पुलश की तरह काम करने में नाकाम रहा। उन्होंने सरकार के श्पक्षपाती रवैयेश की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने राष्ट्रीय मीडिया को उस अस्पताल में जाने दिया जहां आदिवासी बच्चों का इलाज चल रहा था, लेकिन जब बालाघाट के पत्रकारों ने अंदर जाने की कोशिश की तो दरवाजे बंद कर दिए गए। माधुरी कटरे ने साफ कहा कि हमारा भी 20–22 साल का करियर है। हमने कभी किसी के चेहरे पर कैमरा लगाकर यह नहीं कहा कि आप मौतों पर राजनीति कर रहे हैं। गौरतलब है कि मोहन यादव सरकार बालाघाट में बच्चों की मौत के मामले में बुरी तरह फंस रही है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने हाल ही में राज्य सरकार से उस इलाके में 30 से ज्यादा बच्चों की मौत के मामले में जवाब मांगा है। कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बालाघाट कलेक्टर और अन्य को नोटिस जारी किए हैं।

ट्रम्प से निपटने में भारत की मोल–भाव करने की ताकत बढ़ी

नित्य चक्रवर्ती

चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू–राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है। और 13 सितंबर को नई दिल्ली में हुई 18वीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत को वैश्विक दक्षिण में अपना खोया हुआ रुतबा वापस पाने में मदद की है। यह रुतबा 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही कम हो गया था। ठीक बारह साल बाद, उन्हीं नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स की विस्तारित बैठक की मेजबानी की और अपनी कूटनीतिक कुशलता दिखाई। उन्होंने आम सहमति के आधार पर संयुक्त घोषणा–पत्र सुनिश्चित किया, ईरान और पश्चिम एशिया में परस्पर विरोधियों के बीच सुलह कराई, बिना अमेरिका का नाम लिए डोनाल्ड ट्रम्प को वैश्विक दक्षिण की ओर से उनके एकतरफा टैरिफ कदमों और व्यापार युद्ध पर कड़ा विरोध जताया, और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, जिसमें आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर देने के साथ–साथ भारत की अहम सीमाओं पर भी जोर दिया गया।चीन के बाद ब्रिक्स में भारत दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। शिखर सम्मेलन में चीन, भारत और रूस के बीच की दोस्ती ने निश्चित रूप से ट्रम्प को चिंता में डाला होगा। इसी तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान और यूएई के बीच मध्यस्थता में भारत की भूमिका पर भी ध्यान दिया होगा। ब्रिक्स बैठक ने संकेत दिया कि वैश्विक भू–राजनीति की दिशा तय करने का एकतरफा अधिकार केवल अमेरिका के पास नहीं है। ब्रिक्स बहुपक्षवाद में विश्वास करता है, और ब्रिक्स समूह की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाएं – भारत, रूस और चीन– भी इसी सोच को साझा करती हैं।क्या ब्रिक्स बैठक के दौरान मोदी के प्रदर्शन का मतलब यह है कि वह ट्रम्प से दूरी बना रहे हैं? इसका जवाब है – बिल्कुल नहीं। नरेंद्र मोदी पक्के तौर पर आरएसएस से जुड़े रहे हैं। वह दक्षिणपंथी भाजपा का चेहरा हैं। ट्रम्प खुद को वैश्विक दक्षिणपंथी खेमे का असली नेता मानते हैं। उनमें कई समानताएं हैं। लेकिन, साथ ही, नरेंद्र मोदी एक गर्वित राष्ट्रवादी भी हैं जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और सबसे बड़े घरेलू बाजार वाले देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्रिक्स बैठक के बाद नरेंद्र मोदी का बढ़ा हुआ कद उन्हें आने वाले दिनों में डोनाल्ड ट्रम्प के साथ मजबूत स्थिति से बातचीत करने में मदद करेगा। ट्रम्प इस साल दिसंबर में मियामी में जी–20 बैठक की मेजबानी कर रहे हैं। इस बात की संभावना है कि उसी समय के आसपास क्वैड का शिखर सम्मेलन भी हो सकता है, जिसका मतलब है कि भारत इसका मेजबान नहीं होगा, जैसा कि पहले तय किया गया था। छह हफ्ते बाद, 3 नवंबर को अमेरिका में मध्यावधि चुनाव होंगे। अगर संकेत सही साबित होते हैं और रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में हार जाती है, तो ट्रंप पर भारी दबाव होगा। 2028 में उनका कार्यकाल खत्म होने तक उनकी राष्ट्रपति पद को कोई खतरा नहीं है, लेकिन 2028 के राष्ट्रपति चुनावों को ध्यान में रखते हुए ट्रंप को घरेलू मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देना होगा। इसलिए, भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की अंतिम शर्तों पर बातचीत करने के लिए बेहतर स्थिति में होगा, जो कि अंतिम रूप दिए जाने के चरण में है। साथ ही, क्वैड बैठक के संबंध में, बीजिंग में अपने पिछले शिखर सम्मेलन के बाद से ही ट्रंप ने भारत–प्रशान्त क्षेत्र में अमेरिकी प्राथमिकता को कम कर दिया है। इसलिए, क्वैड बैठक बिना किसी खास महत्व के सिर्फ एक सामान्य कार्यक्रम बन कर रह सकती है। भारत सहयोगी बने रहते हुए भी अमेरिका के सामने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर जोर देने में सहज महसूस करेगा, और 2025 और 2026 के शुरुआती समय के मुकाबले बेहतर स्थिति में होगा। भारत–चीन संबंधों में सुधार के अलावा, शी–मोदी द्विपक्षीय बैठक की बातों और शी द्वारा कही गई बातों के महत्व पर ध्यान देना दिलचस्प होगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने शी के साथ अपनी बैठक में सीमा से जुड़े मुश्किल मुद्दे पर जोर दिया। लेकिन शी कुछ और ही योजना लेकर आए थे। चीनी नेता भारत को चीन के दबदबे वाली वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदार बनाने की संभावना पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। चीनी अधिकारी भारत और चीन दोनों के लिए फायदेमंद स्थिति की बात कर रहे हैं, अगर ब्रिक्स की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस नेक कोशिश में सहयोग करती हैं। इसका मतलब होगा भारत में ज्यादा चीनी निवेश और साथ ही, ज्यादा भारतीय वैश्विक निर्यात। भारतीय अधिकारियों को चीनी प्रस्ताव की बारीकी से जांच करनी होगी और यह देखना होगा कि भारत को क्या फायदे हो सकते हैं, और क्या चीन से कोई सुरक्षा खतरा है। इसी तरह, ओपन–सोर्स एआई प्लेटफॉर्म के लिए शी का एक्शन प्लान अमेरिका के लिए एक चुनौती है। भारतीय पक्ष को शी के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव के सभी पहलुओं पर विचार करना होगा, क्योंकि भारतीय भी वैश्विक स्तर पर एआई के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाते हैं। शी की बातों से यह साफ था कि अगले पांच सालों के लिए भारत के साथ चीन की प्राथमिकता आर्थिक सहयोग है। इसमें ज्यादा व्यापार और निवेश शामिल हैं। सीमा और अरुणाचल को लेकर मतभेदों जैसे राजनीतिक मुद्दे मौजूदा स्थिति में ही बने रहेंगे, या जिसे कई चीनी जानकार रणनीतिक गतिरोध कहते हैं, वैसी ही स्थिति रहेगी। चीन यह पक्का करेगा कि शांति बनी रहे, ताकि आर्थिक सहयोग में राजनीतिक अड़चनें न आएं। कुल मिलाकर, ब्रिक्स नई दिल्ली शिखर सम्मेलन से भारत के लिए संदेश यह है कि नरेंद्र मोदी को अमेरिका और चीन, दोनों के संबंध में भारत की विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता का इस्तेमाल करते समय ज्यादा मजबूती दिखानी होगी। जहां तक रूस की बात है, तो 1991 में सोवियत संघ के टूटने से पहले और उसके बाद भी रूस के साथ भारत के गहरे भावनात्मक और संरचनात्मक संबंध हैं। अपने कार्यकाल के शुरुआती वर्षों में नरेंद्र मोदी ने भारत–रूस संबंधों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया, जो निराशाजनक था। लेकिन तीसरे कार्यकाल में खाड़ी संकट के कारण भारत को रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पिछले दो वर्षों में रूस ने भारत को भुगतान संतुलन के संकट से निपटने में मदद की है। अब भारत सरकार को रक्षा सौदों और पेट्रोलियम आयात बढ़ाने के अलावा रूस के साथ सहयोग के अन्य क्षेत्रों का भी विस्तार करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास अब भारतीय विदेश नीति को नया रूप देने और उसे अधिक स्वतंत्र आधार पर स्थापित करने का एक बड़ा अवसर है।

इतना बड़ा स्टार होने के बावजूद नहीं है अहंकार, बच्चे को भीड़ से बचाने के लिए सलमान खान ने तुरंत रोकी सिक्योरिटी

> सलमान अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए एक बच्चे को भीड़ से बचाते नजर आए। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पर गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन के दौरान पूजा करने के बाद फैंस और पैपराजी की भीड़ के बीच से निकलते हुए देखा गया।

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान इन दिनों गणेश चतुर्थी के जश्न में पूरी तरह डूबे हुए हैं। बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए वह लगातार अलग–अलग गणपति पंडालों में पहुंच रहे हैं। अंबानी परिवार के गणपति उत्सव और अपने परिवार के गणपति विसर्जन में शामिल होने के बाद सलमान खान हाल ही में नेता आशीष शेलार के घर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान गणेश की पूजा–अर्चना की। सलमान खान को वहां देखते ही बाहर मौजूद फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। अपने चहेते स्टार की एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। बढ़ती भीड़ को देखते हुए सलमान ने हाथ जोड़कर लोगों से रास्ता खाली करने की अपील की। इसी दौरान उनका एक अंदाज देखने को मिला, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। सलमान अपने बॉडीगार्ड को रोकते हुए एक बच्चे को भीड़ से बचाते नजर आए। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार के घर पर गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन के दौरान पूजा करने के बाद फैंस और पैपराजी की भीड़ के बीच से निकलते हुए देखा गया। जब फैंस और फोटोग्राफर भाईजान एक्टर के आस–पास जमा हो गए, तो सलमान भीड़ से पीछे हटने और रास्ता खाली करने के लिए कहते दिखे। रास्ता बनाने का अनुरोध करते हुए उन्होंने हाथ भी जोड़े। भीड़ को संभालना मुश्किल होने पर, सलमान की सिक्योरिटी टीम उन्हें उनकी कार की ओर ले जाने की कोशिश करने लगी। इस भीड़–भाड़ के बीच, एक बच्चे के पास आने पर एक्टर रुकते हुए दिखे। एक पैपराजी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सलमान को भगवान गणेश का आशीर्वाद लेने के बाद शेलार के घर से निकलते हुए दिखाया गया। वेन्यू से बाहर निकलते समय एक्टर के माथे पर तिलक लगा था और उन्होंने बीनी (टोपी) पहनी हुई थी। सलमान ने बच्चे से हाथ मिलाया और फिर अपनी कार की ओर बढ़ने से पहले उसे भीड़ से बाहर निकलने में धीरे से मदद की। एक्टर इन दिनों कई गणपति सेलिब्रेशन में शामिल हो रहे हैं। इससे पहले वे अंबानी परिवार के गणेश चतुर्थी सेलिब्रेशन में शामिल हुए थे और बाद में अपने भाई सोहेल खान के घर पर गणपति विसर्जन के लिए अपने परिवार के साथ जुड़े थे। सलमान अभी बिग बॉस का मौजूदा सीजन होस्ट कर रहे हैं। एक्टर के आने वाले प्रोजेक्ट्स में अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित मातृभूमि भी शामिल है। इस फिल्म का नाम पहले श्बैटल ऑफ गलवानश था और इसे शुरू में अप्रैल में रिलीज किया जाना था। हालांकि, बाद में इसकी रिलीज टाल दी गई और अभी तक नई रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

लालबागचा राजा के दरबार में पहुंची शेट्टी सिस्टर, शिल्पा के 100 साल पुराने झुमके ने लूटी लाइमलाइट

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने बुधवार को अपनी बहन शमिता शेट्टी और दोस्तों के साथ मुंबई में लालबागचा राजा के दर्शन किए और गणेशोत्सव के दौरान भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया। एक्ट्रेस अपने पारंपरिक फेस्टिव लुक, खासकर अपने खास झुमकों की वजह से चर्चा में रहींय उन्होंने बताया कि ये झुमके 100 साल पुराने हैं। दर्शन के दौरान के एक वीडियो में शिल्पा को एक शानदार साड़ी और उसके साथ बिना आस्तीन (स्लीवलेस) वाले, हाई–नेक मरून ब्लाउज में देखा जा सकता है। एक्ट्रेस ने पारंपरिक गहनों–जैसे विंटेज झुमके, चूड़ियां और अंगूठियां – के साथ अपना लुक पूरा किया और अपने बालों को अच्छी तरह से स्टाइल किया था। शमिता भी अपनी बहन के साथ रॉयल ब्लू एथनिक ड्रेस में नजर आईं। दोनों बहनें लालबागचा राजा के भीड़–भाड़ वाले पंडाल में आगे बढ़ती और प्रार्थना करती दिखीं। शिल्पा को अधिकारियों से मूषक (भगवान गणेश की सवारी या चूहा) से बात करने के लिए कुछ समय मांगते हुए भी सुना गया, जो एक लोकप्रिय धार्मिक परंपरा का हिस्सा है। वीडियो में शिल्पा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह मूषक के कान में कुछ कहना चाहती हैं। इस परंपरा में भक्त मूषक के कान में अपनी इच्छाएं या प्रार्थनाएं फुसफुसाते हैं, इस विश्वास के साथ कि यह दिव्य वाहन उनकी इच्छाओं को भगवान गणेश तक पहुंचाएगा। एक्ट्रेस इस रस्म को निभाने के लिए उत्सुक दिखीं, लेकिन लालबागचा राजा के दर्शन करने के इच्छुक भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए उन्हें इसकी अनुमति नहीं मिली। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि शिल्पा मुंबई में गणेश चतुर्थी के जश्न में नियमित रूप से शामिल होती रही हैं और अपने परिवार के साथ यह त्योहार मनाने के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस, जिन्होंने अपने घर पर डेढ़ दिन के लिए भगवान गणपति का स्वागत किया था, मंगलवार को विसर्जन के दौरान जमकर नाचती हुई नजर आईं।

मिर्जापुर फिल्म के बैकग्राउंड में चलाया महाराणा प्रताप का शूरवीर गाना, मचा बवाल... दिल्ली एचसी ने सीबीएफसी से मांगा 7 दिन का जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) को निर्देश दिया कि वह मिर्जापुर द मूवी के मेकर्स के उस प्रस्ताव पर एक हफ्ते के भीतर फैसला ले, जिसमें फिल्म के क्लाइमेक्स में शूरवीर गाने को बैकग्राउंड म्यूजिक से बदलने की बात कही गई है। चीफ जस्टिस डी.के. उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच प्रशांत कुमार सिंह द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें फिल्म से गाना हटाने या उसे किसी दूसरे बैकग्राउंड स्कोर से बदलने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया है कि रैपेरिया बालम द्वारा कंपोज किया गया शूरवीर गाना 2020 में महाराणा प्रताप को श्रद्धांजलि के तौर पर रिलीज किया गया था। इसमें कहा गया है कि गाना मेवाड़, चेतक, सम्मान, बलिदान, मातृभूमि की रक्षा और महाराणा प्रताप की विरासत का जिक्र करता है। याचिका के अनुसार, इस गाने का इस्तेमाल मिर्जापुर द मूवी में गैंगस्टर और क्रिमिनल किरदारों वाले सीन में किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि फिल्म में संगठित अपराध, गैंग की दुश्मनी, हिंसा, अवैध हथियार, ड्रग्स, जबरन वसूली, हत्या और अन्य आपराधिक गतिविधियों को दिखाया गया है। उन्होंने चिंता जताई है कि ऐसे माहौल में गाने के इस्तेमाल से महाराणा प्रताप से जुड़े आदर्शों और फिल्म में दिखाए गए किरदारों के बीच एक गलत संबंध बन सकता है। हालांकि, याचिकाकर्ता ने साफ किया है कि वह सिनेमा में अपराध, हिंसा या गैंगस्टर किरदारों के चित्रण को चुनौती नहीं दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि पीआईएल का संबंध गाने से जुड़े कॉपीराइट, लाइसेंसिंग या सहमति के मुद्दों से नहीं है। उनकी चुनौती सिर्फ उस खास सीन में गाने के इस्तेमाल और फिल्म सर्टिफिकेशन से जुड़े कानूनों के पालन तक सीमित है। यह याचिका सिनेमैटोग्राफ एक्ट, 1952 की धारा 5ठ और लागू फिल्म–सर्टिफिकेशन गाइडलाइंस पर आध ारित है। इसमें खास तौर पर असामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा देने या सही ठहराने से जुड़े प्रावधानों का जिक्र किया गया है और संबंधित अधिकारियों से विवादित हिस्से की जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने सोशल मीडिया पर फिल्म की क्लिप और संगीत के तेजी से फैलने पर भी चिंता जताई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि कंटेंट को उसके मूल संदर्भ से अलग देखा जा सकता है और आरोप लगाया गया है कि इस तरह के जुड़ाव का युवा और आसानी से प्रभावित होने वाले दर्शकों पर असर पड़ सकता है। यह पीआईएल भारत सरकार, सीबीएफसीऔर फिल्म के प्रोड्यूसर एक्सेल एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दायर की गई है। गाने को हटाने या बदलने की मांग के अलावा, याचिकाकर्ता ने सीबीएफसीसे विवादित हिस्से के संबंध में फिल्म के सर्टिफिकेशन की समीक्षा करने को कहा है। उन्होंने ऐतिहासिक या सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण हस्तियों से जुड़े गानों, संगीत, दृश्यों और अन्य कलात्मक सामग्री के इस्तेमाल के लिए गाइडलाइंस बनाने के निर्देश भी मांगे हैं, साथ ही कलात्मक स्वतंत्रता के साथ ऐसे इस्तेमाल में संतुलन बनाने की बात भी कही है। याचिका में केस के लंबित रहने के दौरान गाने को म्यूट करने के लिए अंतरिम राहत की भी मांग की गई है। हालांकि, याचिकाकर्ता ने साफ तौर पर कहा है कि वह पूरी फिल्म के प्रदर्शन या स्ट्रीमिंग पर रोक नहीं मांग रहे हैं और केवल उस खास बैकग्राउंड म्यूजिक के संबंध में राहत मांग रहे हैं। गुरुवार की सुनवाई के दौरान, मेकर्स की ओर से पेश वकील ने कहा कि गाने का इस्तेमाल क्लाइमेक्स में दो गुटों के बीच लड़ाई के दौरान बैकग्राउंड म्यूजिक के तौर पर किया गया था और इसे किसी किरदार द्वारा नहीं गाया जा रहा था। वकील ने यह भी कहा कि किरदारों और महाराणा प्रताप के बीच कोई तुलना नहीं थी। बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि पहली नजर में, गाने का इस्तेमाल अच्छी बात नहीं लगती और सवाल किया कि क्या स्थिति उस स्तर पर पहुंच गई है जहां ष्हम हिंसा का महिमामंडन कर रहे हैं। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वह च्स् के गुण–दोष पर कोई अंतिम राय नहीं दे रहा है। कोर्ट को बताया गया कि प्रोड्यूसर पहले ही सिनेमैटोग्राफ रूल्स, 2024 के नियम 31 के तहत सीबीएफसीसे संपर्क कर चुके हैं और प्रस्तावित बदलावों के लिए फॉर्म प्प् जमा कर चुके हैं, जिसमें गाने को बैकग्राउंड म्यूजिक से बदलना भी शामिल है। सीबीएफसीने कोर्ट को बताया कि वह प्रस्ताव पर विचार करेगा और एक हफ्ते के भीतर फैसला लेगा।

करोड़ों की संपत्ति के बावजूद सादगी से बप्पा की भक्ति, लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचा अंबानी परिवार

गणेश चतुर्थी समारोह के उत्सव के उत्साह के बीच, रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी, उनके बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट ने गुरुवार को मुंबई के प्रतिष्ठित लालबागचा राजा पंडाल में पूजा–अर्चना की। अंबानी परिवार ने वार्षिक उत्सव के दौरान मुंबई के सबसे प्रमुख स्थलों में से एक, प्रतिष्ठित पंडाल में भगवान गणेश से आशीर्वाद लिया। लालबागचा राजा हर साल उत्सव के दौरान हजारों भक्तों को आकर्षित करते हैं, लोग भगवान गणेश के दर्शन और प्रार्थना करने के लिए कतार में खड़े होते हैं। अम्बानी की यात्रा ने समारोह के आसपास जनता का ध यान आकर्षित किया। पंडाल के दृश्यों में, मुकेश अंबानी के साथ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट को प्रार्थना करते और आशीर्वाद मांगते हुए भक्ति में तल्लीन देखा जा सकता है। गणेश चतुर्थी मुंबई में विशेष उत्साह के साथ मनाई जाती है, जहां विस्तृत मूर्तियां, सजाए गए पंडाल और सामुदायिक उत्सव शहर के सांस्कृतिक परिदृश्य का एक अभिन्न अंग हैं। लालबागचा में अंबानी की उपस्थिति परिवार द्वारा हाल ही में अपने निवास पर गणपति उत्सव आयोजित करने के तुरंत बाद हुई। मेहमानों की सूची में सैफ अली खान और करीना कपूर, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, सलमान खान, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर, अर्जुन कपूर, पति श्रीराम नेने के साथ माधुरी दीक्षित, कैटरीना कैफ और विक्की कौशल, दिशा पटानी, कृति सेनन, करण जौहर, काजोल, बोमन ईरानी, अनिल कपूर, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, रेखा, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी, वरुण धवन पत्नी नताशा दलाल और रितेश देशमुख और जेनेलिया के साथ बॉलीवुड के कई सितारे शामिल थे। अन्य लोगों के अलावा, डिसूजा भी उत्सव समारोह में अंबानी परिवार के साथ शामिल हुए। बुध ावार आधी रात को नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट सहित अंबानी परिवार के सदस्य गणेश चतुर्थी के लिए अपने निवास पर लाई गई भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन समारोह में भाग लेने के लिए निकले। जब मूर्ति को विसर्जन के लिए ले जाया गया तो परिवार के सदस्यों को उत्साह और भक्ति के साथ उत्सव में भाग लेते देखा गया।

नैनीताल के कैंची धाम के पास जरूर देखें भवाली, नगरी गांव और श्यामखेत टी गार्डन

उत्तराखंड के नैनीताल में स्थित कैंची धाम नीम करोली बाबा के आश्रम के लिए प्रसिद्ध है। दर्शन के बाद आप मंदिर से 10 किलोमीटर के दायरे में मौजूद खूबसूरत जगहों को भी देख सकते हैं। इनमें स्थानीय बाजार के लिए भवाली, प्राकृतिक शांति हेतु नगरी गांव और चाय बागानों वाला श्यामखेत प्रमुख आकर्षण हैं।

कैंची धाम को नीम करोली बाबा के आश्रम के नाम से भी जाना जाता है। हर महीने यहां पर हजारों की संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचते हैं। उत्तराखंड की पहाड़ियों में स्थित कैंची धाम सिर्फ धार्मिक दृष्टि से नहीं बल्कि खूबसूरती और शांति के लिए भी पसंद की जाती है। कैंची धाम नैनीताल जिले में है और यहां पहुंचना भी आसान है। अगर आप भी यहां पर जाने का प्लान कर रहे हैं और दर्शन करने के बाद आपके पास थोड़ा सा समय है, तो वापस लौटने की जगह आसपास की कुछ खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 10 किमी के अंदर की कुछ बेहद खूबसूरत जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

भवाली

कैंची धाम से नीचे की ओर जाते हुए भवाली घूमना बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। यह जगह कैंची धाम से करीब 10 किमी अंदर आता है और वापसी के रास्ते में भी पड़ता है।

यहां घूमना क्यों है अच्छा

भवाली में आपको खूबसूरत पहाड़ी बाजार घूमने का मौका मिलेगा।

यहां पर आप पहाड़ी सामान खरीदने के साथ–साथ यहां के स्थानीय व्यंजनों को खा सकते हैं।

यहां पर आगे जाने से पहले पहाड़ों का नजारा देखते हुए थोड़ा रेस्ट कर सकते हैं।

अगर अधिक घूमने का समय नहीं है, तो आप यहां रुक भी सकती हैं।

नगरी गांव

भवाली घूमने के बाद अगर आपके पास समय है, तो आप नगरी गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। यह गांव कैंची धाम से करीब 10 किमी दूर है। भवाली से नगरी गांव की दूरी करीब 3 किमी है।

यहां घूमना क्यों अच्छा

नगरी गांव एक बेहद सुंदर और शांत जगह है। यह गांव प्रकृति प्रेमियों को काफी पसंद आएगी।

यहां के ऊंचे–ऊंचे पहाड़ और हरियाली आपका मन मोह लेगी।

यहां पर आप छोटे रास्ते पर सैर कर सकते हैं और स्थानीय लोगों का रहन–सहन देख सकते हैं।

श्यामखेत

श्यामखेत एक चाय का बागान है, जोकि भवाली से करीब 2 किमी दूर है। कैंची धाम से यहां तक आने के लिए आपको करीब 10 किमी की दूरी तय करनी होगी।

यहां घूमना क्यों अच्छा

यहां पर आपको एकदम शांत माहौल मिलेगा और दूर–दूर तक जहां आपकी नजर जाएगी, आपको सिर्फ हरा–भरा नजारा देखने को मिलेगा।

मानसून में इस जगह की खूबसूरती अधिक बढ़ जाती है, यहां चारो ओर हरियाली होती है, जिससे यह जगह और भी खूबसूरज नजर आती है।

पैदल वॉक और फोटोग्राफी के लिए यह एक परफेक्ट जगह है।

फेस्टिव सीजन में एथनिक लुक को खास बनाएंगी ये 3 ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज

फेस्टिव सीजन में एथनिक लुक को खास और रॉयल बनाने के लिए सही हेयर एक्सेसरीज चुनना जरूरी है। इसके लिए आप कुंदन या मोतियों वाली शीशपट्टी, फ्लोरल या गजरा क्लिप्स और गोटा–पट्टी वाली परांदी इस्तेमाल कर सकती हैं। ये ट्रेंडी एक्सेसरीज साड़ी, लहंगे और सूट के साथ आपके लुक को बेहद खूबसूरत और आकर्षक बनाती हैं।खूबसूरत, लंबे और घने बाल हमारी खूबसूरती को दोगुना करने का काम करते हैं। खासकर फेस्टिव सीजन में सिल्की, घने और लंबे बाल एथनिक लुक को परफेक्ट बनाते हैं। वहीं बालों की खूबसूरती तब और ज्यादा निखरकर आती है, जब आप उनके साथ कुछ मैचिंग और लेटेस्ट हेयर एक्सेसरीज जोड़ती हैं। मेकअप, आउटफिट्स और ज्वेलरी को लगभग हर कोई कैरी करता है। लेकिन महिलाएं हेयर एक्सेसरीज को लेकर अक्सर कंफ्यूज रहती हैं। ऐसे में इस फेस्टिव सीजन आप भी एथनिक लुक के साथ सही हेयर एक्सेसरीज चुनकर अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं।

एथनिक लुक के लिए ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज

मार्केट में आपको कई तरह की मॉर्डन और पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज मिल जाएंगी। जिनको आप फेस्टिव सीजन में रॉयल लुक पाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 3 ट्रेंडी हेयर एक्सेसरीज के बारे में बताने जा रहे हैं।

कुंदन और मोतियों वाली शीशपट्टी या माथा पट्टी

आजकल शीशपट्टी काफी ज्यादा ट्रेंड में है। इस फेस्टिव सीजन आप भी इस तरह की कुंदन और मोतियों वाली शीशपट्टी या माथा पट्टी को कैरी कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं। इसको बालों में लगाना काफी आसान होता है। यह माथे के साथ–साथ पूरे फेस की खूबसूरती को निखार देता है।

जानें कैसे करें स्टाइल

पोलकी, कुंदन और बारीक मोतियों से बनी यह माथा पट्टी खुले बालों पर काफी अच्छी लगती है।

आप इसको साड़ी, लहंगे या राजपूती पोशाक के साथ पेयर कर सकती हैं।

गजरा पिन और फ्लोरल हेयर क्लिप्स

फूलों वाला गजरा लगभग हर महिला की पहली पसंद बना है। अपने लुक को खास और अट्रैक्टिव दिखाने के लिए आप आर्टिफिशियल या फैब्रिक गजरा क्लिप्स यूज कर सकती हैं। इससे आपके बालों की खूबसूरती दोगुनी हो जाएगी।

जानें कैसे करें स्टाइल

हाफ–अप हेयरस्टाइल या ट्रेडिशनल मेसी बन बनाकर गजरा क्लिप्स को अपने बालों में लगा सकती हैं।

इसको आप बनारसी साड़ी, इंडो–वेस्टर्न और कांजीवरम साड़ी के साथ पेयर कर सकती हैं।

गोटा–पट्टी और मोतियों वाली परांदी

फेस्टिव सीजन में सुनहरी लटकन, शीशे, गोटा–पट्टी और रंग–बिरंगे मोतियों से सजी ट्रेंडी परांदी काफी ट्रेंड में रहती है। वहीं आप फेस्टिव सीजन में अपने लुक को खास बनाने के लिए गोटा–पट्टी और मोतियों वाली परांदी कैरी कर सकती हैं। तीन लेयर वाली गूंथी चोटी के निचले हिस्से में इसको लगाकर अपने लुक को कंप्लीट करें। इससे आपकी चोटी की लंबाई भी बढ़ जाएगी।

जानें कैसे करें स्टाइल

सागर चोटी, थ्री लेयर वाली गूंथी चोटी और खजूर चोटी के साथ भी पेयर कर सकती हैं।

इसको आप शरारा, पंजाबी सूट या हैवी लहंगा चोली के साथ पेयर कर सकती हैं।

इन हेयर एक्सेसरीज को करें पेयर

इन एक्सेसरीज को पेयर करने से आपके बालों की खूबसूरती बढ़ने के साथ इसके अन्य फायदे भी मिलेंगे।

इन हेयर एक्सेसरीज की वजह से आपका सिंपल लुक भी हैवी और खूबसूरत लगने लगता है।

फैंसी जूड़ा पिन्स और शीशपट्टी बालों को अच्छे से होल्ड करती है।

साड़ी, अनारकली, शरारा या इंडो–वेस्टर्न जैसे किसी भी आउटफिट के साथ आप इन हेयर एक्सेसरीज को पेयर कर सकती हैं।

दोपहर में हल्की झपकी लेने के बाद फटने लगता है सिर, तो आप कर रहे हैं ये गलती

माना जाता है कि दिन में नींद की एक झपकी लेने से फ्रेश महसूस होता है .. लेकिन कभी–कभी ऐसा नहीं होता। कुछ लोगों को झपकी के बाद जागने पर सिरदर्द होता है, जिससे पूरा दिन खराब हो सकता है। नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार, जिन लोगों को नींद से जुड़ी समस्याएं होती हैं, उन्हें आम लोगों की तुलना में दो से आठ गुना ज्यादा सिरदर्द होता है। आज हम आपको बताते हैं सोने के बाद सिरदर्द होने के कुछ कारण और उनसे बचने के तरीकों के बारे में

झपकी लेने के बाद सिरदर्द क्यों होता है?

झपकी लेने के बाद सिरदर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। अगर आप खर्राटे लेते हैं, तो यह सांस लेने में दिक्कत का संकेत हो सकता है। अगर आप ठीक से सांस नहीं ले पा रहे हैं, तो इससे न सिर्फ आपकी नींद में खलल पड़ता है, बल्कि जागने पर सिरदर्द का खतरा भी बढ़ सकता है। सोते समय दांत पीसना, जिसे श्स्लीप ब्रक्सिज्मश भी कहते हैं, आपकी नींद के बाद होने वाले सिरदर्द का कारण हो सकता है। यह अनजाने में होने वाली हरकत आपके जबड़े की मांसपेशियों में तनाव पैदा करती है, जिससे सिर और दांतों में दर्द होता है। आपकी नींद की आदतों (स्लीप हाइजीन) में सोने की जगह का माहौल, सोने की आदतें और सोने से पहले की दिनचर्या शामिल होती है। गलत तकिया या गद्दा इस्तेमाल करने, कुछ खास तरह से सोने, और बहुत ज्यादा या बहुत कम सोने से आपकी नींद की क्वालिटी और शरीर की प्राकृतिक घड़ी (सर्केडियन रिदम) पर बुरा असर पड़ सकता है और सिर भारी लग सकता है।

इन गलतियों के कारण भी होता है सिरदर्द

बहुत ज्यादा झपकी लेने से भी सिरदर्द हो सकता है, क्योंकि जरूरत से ज्यादा सोना भी सिरदर्द का एक कारण हो सकता है। इसलिए, अपनी नींद की जरूरतों के हिसाब से सही संतुलन बनाना जरूरी है। डिहाइड्रेशन या खाली पेट सोने से सिरदर्द हो सकता है और आप बीमार जैसा महसूस कर सकते हैंय इसके आम लक्षणों में मूड खराब होना, मुंह और होंठ सूखना, चक्कर आना और गहरे रंग का पेशाब आना शामिल हैं।डेस्क पर काम करने, दिन भर गाड़ी चलाने या गलत पोजिशन में सोने से अक्सर गर्दन और सिर की मांसपेशियों में खिंचाव आ सकता है। इसी खिंचाव की वजह से सोकर उठने पर सिरदर्द हो सकता है।

झपकी लेने के बाद होने वाले सिरदर्द का इलाज

झपकी के बाद होने वाले सिरदर्द का इलाज इस बात पर निर्भर करता है कि सिरदर्द की असल वजह क्या है। असल वजह को समझकर ही आप इसका सही और सफल इलाज कर सकते हैं। ब्रक्सिज्म (दांत पीसने की आदत) जैसी समस्याओं का इलाज थेरेपी (अगर दांत पीसने की वजह एंग्जायटी है) या माउथ गार्ड से किया जा सकता है। नया तकिया आजमाना और अच्छी नींद के लिए सही आदतें अपनाना भी सिरदर्द के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

अच्छी नींद की आदतों में ये शामिल हो सकते हैं।

–कैफीन का सेवन कम करना

–रोजाना व्यायाम करना

–दिन में झपकी कम लेना

–सोने से पहले रिलैक्सेशन तकनीक आजमाना

–रात में सोने से पहले आराम देने वाला रूटीन बनाना

अगर आसान उपाय काम न करें, या आपको लगे कि स्लीप एपनिया या ब्रक्सिज्म जैसी कोई समस्या है, तो डॉक्टर से मिलें। वे आपकी जांच कर सकेंगे और तय कर सकेंगे कि आपको स्लीप स्पेशलिस्ट के पास भेजने की जरूरत है या नहीं।

प्लेन साड़ी पर स्टाइलिश लुक के लिए बेस्ट हैं ये 4 फ्रिल स्लीव्स ब्लाउज डिजाइन्स

साधारण या प्लेन साड़ी को आकर्षक और हैवी लुक देने के लिए फ्रिल डिजाइन वाले ब्लाउज बेहतरीन विकल्प हैं। इसमें लेयर्ड फ्रिल, एल्बो लेंथ रफल, शोल्डर ड्रॉप और बटरफ्लाई स्टाइल स्लीव्स काफी ट्रेंड में हैं। यह स्टाइलिश स्लीव्स डिजाइन्स साधारण साड़ी को भी किसी भी फंक्शन के लिए मॉडर्न तथा रॉयल लुक प्रदान करते हैं।

हर महिला को साड़ी पहनना काफी पसंद होता है। ऐसे में महिलाओं के वॉर्डरोब तरह–तरह की साड़ी देखने को मिल जाएगी। बार–बार साड़ी का पहनने का मन हर किसी का हो ही जाता है। कई बार होता कि प्लेन दिखने वाली साड़ी को बिल्कुल भी पहनते, क्योंकि यह हमारा कहीं लुक खराब न कर दें। हालांकि, आप फ्रिल डिजाइन ब्लाउज को वियर करेंगे, तो आपका साड़ी का लुक एकदम गजब का लगेगा। अक्सर ब्लाउज में लगी फ्रिल स्लीव्स आपके बाजुओं को ग्रेसफुल शेप देंगी, बल्कि साड़ी को भी हैवी लुक प्रदान करेंगी।

लेयर्ड या मल्टी–टियर फ्रिल स्लीव्स

सिंपल–सी–सिंपल साड़ी में जान डाल देगी ये लेयर्ड या मल्टी–टियर फ्रिल स्लीव्स वाले ब्लाउज ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज उन महिलाओं के लिए बेहद खास है, जो हैवी स्लीव्स पसंद करती हैं। इन डिजाइन में आस्तीन पर 2 से 3 लेयर्स में फ्रिल लगाई जाती हैं, जो इसे बेहद आकर्षक बनाती है।

एल्बो लेंथ रफल फ्रिल आस्तीन

इन दिनों कोहनी तक की लंबाई वाली स्लीव्स ब्लाउज काफी ट्रेंड में है। यह ब्लाउज आपको एकदम एलिगेंट और सोबर लुक प्रदान करेगा। इसमें ब्लाउज की स्लीव कोहनी तक सिंपल होती है और उसके निचले किनारे पर 2 से 3 इंच चौड़ी फ्रिल लगाई जाती है। इस तरह का ब्लाउज आपको मॉर्डन लुक देगा।

शोल्डर ड्रॉप फ्रिल स्लीव्स

किसी भी पार्टी या फंक्शन में सिंपल साड़ी लुक में तड़का लगाना है, तो यह स्टाइलिश ब्लाउज को पेयर कर सकते हैं। शोल्डर ड्रॉप फ्रिल स्लीव्स वाला ब्लाउज आपके लिए बेस्ट हो सकता है। शोल्डर ड्रॉप फ्रिल स्लीव्स का डिजाइन कंधों से शुरु होता है। इसमें फ्रिल कंधे से होकर सीने की तरफ आती है, जिससे ब्लाउज का डिजाइन और भी खूबसूरत बन जाता है।

बटरफ्लाई स्टाइल फ्रिल आस्तीन

अगर आप एकदम स्टाइलिश लुक पाना चाहते हैं, तो ट्रेंडी बटरफ्लाई स्टाइल फ्रिल आस्तीन वाले ब्लाउज को पहन सकते हैं। इसे पहनकर आप सिंपल साड़ी में भी रॉयल लुक पा सकते हैं। ऐसे स्लीव्स ब्लाउज बहुत ही प्यार लुक देते है, इसमें आप एकदम बटरफ्लाई जैसी नजर आएंगी। प्लेन साड़ी के लिए इस तरह के ब्लाउज काफी सुंदर लुक देते हैं।

संक्षिप्त

मारुति सुजुकी के इन–प्लांट रेलवे साइडिंग से 10 लाख वाहनों का हुआ ट्रांसपोर्ट

मारुति सुजुकी इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसने गुजरात और हरियाणा के दो विनिर्माण संयंत्रों में स्थिति रेलवे टर्मिनल के जरिये 10 लाख वाहनों की ढुलाई की है। यह आंकड़ा इन संयंत्रों में विशेष परिवहन लाइन शुरू करने के तीन साल से कुछ अधिक समय में हासिल किया गया। हंसलपुर (गुजरात) संयंत्र स्थित रेलवे साइडिंग से परिचालन मार्च 2023 में जबकि मानेसर (हरियाणा) रेलवे साइडिंग से परिचालन जून 2025 में शुरू हुआ था। वाहन कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में रेल आधारित कुल वाहन ढुलाई में से 70 प्रतिशत इन दो संयंत्र स्थित रेलवे साइडिंग के माध्यम से की गई है। उसका मध्यम अवधि का लक्ष्य वित्त वर्ष 2030–31 तक कुल ढुलाई में रेल हिस्सेदारी को बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का है। कंपनी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में 31 अगस्त तक उसकी रेल आधारित वाहन ढुलाई तीन लाख इकाइयों के आंकड़े को पार कर चुकी है। विनिर्माण केंद्र के भीतर स्थित रेलवे टर्मिनल से माल को संयंत्र के अंदर ही मालगाड़ियों में लादने की सुविधा मिलती है। इससे आपूर्ति नेटवर्क में प्रवेश करने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशनों तक वाहनों को ट्रकों से ले जाने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। कंपनी ने बताया कि अब तक हुई कुल 10 लाख इकाइयों की ढुलाई में लगभग 7.9 लाख वाहन गुजरात रेलवे साइडिंग के जरिये भेजे गए, जबकि मानेसर रेलवे साइडिंग से 2.1 लाख वाहनों का परिवहन किया गया। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, हमारे संयंत्र स्थित रेलवे साइडिंग के जरिये कुल 10 लाख वाहनों की ढुलाई का आंकड़ा छूना हरित लॉजिस्टिक यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत विकसित ये साइडिंग दर्शाती हैं कि कैसे एकीकृत मल्टी–मॉडल बुनियादी ढांचा परिचालन दक्षता और पर्यावरणीय लाभ दोनों प्रदान कर सकता है। मारुति सुजुकी अपने विनिर्माण संयंत्रों में रेलवे साइडिंग स्थापित करने वाली भारत की पहली और एकमात्र यात्री वाहन विनिर्माता कंपनी है। कंपनी ने कहा कि संयंत्र स्थित इन सुविधाओं के जरिये वाहनों के परिवहन को सड़क से रेल पर स्थानांतरित करने से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकने, ईंधन की खपत घटाने और सड़कों पर भीड़भाड़ को कम करने में मदद मिली है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के 50 करोड़ डॉलर के विदेशी बॉन्ड को मिलीं 3 गुनी बोलियां

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पांच साल की परिपक्वता अवधि वाले 50 करोड़ डॉलर के पहले अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड को तीन गुनी बोलियां मिलीं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कारोबार बढ़ाने के लिए जारी इस बॉन्ड को अंतरराष्ट्रीय निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। बीओएम ने कहा कि इसके साथ ही उसने अंतरराष्ट्रीय बॉन्ड बाजार में प्रवेश किया है। बैंक ने कहा कि एक ही चरण में जारी पांच साल की अवधि वाला यह निर्गम अमेरिकी डॉलर में जारी किया गया था। यह निर्गम वरिष्ठ यानी भुगतान के मामले में उच्च प्राथमिकता और असुरक्षित यानी बिना किसी गारंटी वाला था। बैंक ने अपने मध्य अवधि के बॉन्ड कार्यक्रम के तहत इसे अपनी आईएफएससी बैंकिंग इकाई के माध्यम से जारी किया था। बीओएम ने कहा कि निर्गम को मिली मजबूत प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय निवेशक समुदाय के बैंक के बॉन्ड में जताए गए भरोसे को दर्शाती है। यह बैंक के 90 साल से अधिक के सफर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है।

टाटा संस की शेयर बाजार में स्पेजपदह के पक्ष में उतरा शापूरजी पालोनजी समूह

नयी दिल्ली। टाटा संस में दूसरे सबसे बड़े शेयरधारक शापूरजी पालोनजी समूह ने कंपनी की शेयर बाजार में सूचीबद्धता का शुक्रवार को समर्थन किया। समूह के चेयरमैन शापूर मिस्त्री ने कहा कि सूचीबद्धता से टाटा संस में पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही मजबूत होगी। शापूरजी पालोनजी (एसपी) समूह के पास टाटा संस में करीब 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, टाटा ट्रस्ट के पास सामूहिक रूप से करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रस्ट कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध किए जाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहा है। मिस्त्री ने एक बयान में कहा कि सूचीबद्धता 'सिर्फ वित्तीय या नियामकीय मामला नहीं', बल्कि 'सामाजिक और नैतिक जरूरत' भी है। उन्होंने इसे ट्रस्ट की परोपकारी भूमिका को बनाए रखते हुए कंपनी के संचालन को मजबूत करने का अवसर बताया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब टाटा संस के निदेशक मंडल और कंपनी को नियंत्रित करने वाले टाटा ट्रस्ट के बीच सूचीबद्धता के मुद्दे पर मतभेद सामने आए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 11 सितंबर को टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में अपना पंजीकरण स्वेच्छा से समाप्त करने के आवेदन को खारिज कर दिया था। साथ ही उसने कंपनी को 'अपर लेवल' की गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पर लागू नियामकीय ढांचे का पालन करने के लिए कदम उठाने को भी कहा था। टाटा संस ने मार्च, 2024 में 21,813 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद अपना पंजीकरण समाप्त करने का अनुरोध किया था। कंपनी को 2022 में 'अपर लेवल' की एनबीएफसी के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इस श्रेणी की कंपनियों पर शेयर बाजार में सूचीबद्धता समेत अतिरिक्त नियामकीय शर्तें लागू होती हैं। टाटा संस ने सितंबर, 2025 की मूल समयसीमा तक खुद को बाजार में सूचीबद्ध नहीं किया और इसके बजाय पंजीकरण समाप्त कराने की प्रक्रिया अपनाई थी। मिस्त्री ने कहा कि आरबीआई के फैसले से 'पूरी स्पष्टता' मिल गई है और अब टाटा संस को 'अपर लेवल' की एनबीएफसी पर लागू नियामकीय ढांचे का पालन करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूचीबद्धता से निवेशकों की भागीदारी बढ़ सकती है और कंपनी के मूल्य की जानकारी बेहतर तरीके से सामने आ सकती है। इससे परोपकारी कार्यों के लिए धन जुटाने का आधार भी मजबूत हो सकता है।

Delhi T20I में अभिषेक शर्मा का वर्ल्ड रिकॉर्ड, Full Member देशों में सबसे तेज शतक

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अभिषेक शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ 30 गेंदों में शतक जड़कर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। वह टेस्ट खेलने वाले देशों में सबसे तेज T20I शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस पारी के साथ उन्होंने रोहित शर्मा के 35 गेंदों में शतक के भारतीय रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

गुरुवार को अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ तीसरे T20I मैच में टीम इंडिया के स्टार ओपनर अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेली और कई रिकॉर्ड तोड़े। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय ओपनर ने सिर्फ़ 30 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और टेस्ट खेलने वाले देशों के खिलाड़ियों में T20I में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। 26 साल के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज़ ने शुरुआत से ही मैच पर पूरी पकड़ बनाए रखी। उन्होंने अफ़गानिस्तान के गेंदबाज़ों पर ज़बरदस्त हमला किया और सिर्फ़ 30 गेंदों में यह अहम मुकाम हासिल कर लिया। इस पारी के साथ, अभिषेक ने रोहित शर्मा के 35 गेंदों में शतक लगाने के पिछले भारतीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जो 2017 में इंदौर में श्रीलंका के खिलाफ़ बनाया गया था। सबसे तेज़ T20I शतक लगाने वालों की लिस्ट ताज़ा रिकॉर्ड के अनुसार, अभिषेक का 30 गेंदों में लगाया गया शतक T20I क्रिकेट में कुल मिलाकर तीसरा सबसे तेज़ शतक है, लेकिन यह किसी फुल–मेंबर (टेस्ट खेलने वाले) देश के बल्लेबाज़ द्वारा लगाया गया सबसे तेज़ शतक है।

सबसे तेज़ T20I शतक लगाने वालों की लिस्ट इस प्रकार है:

27 गेंदें : साहिल चौहान (एस्टोनिया) बनाम साइप्रस, एपिस्कोपी, 2024

29 गेंदें : मुहम्मद फहाद (तुर्की) बनाम बुल्गारिया, सोफिया, 2025

30 गेंदें : अभिषेक शर्मा (भारत) बनाम अफ़गानिस्तान, दिल्ली, 2026

33 गेंदें : जान निकोल लॉफ्टी–ईटन (नामीबिया) बनाम नेपाल, कीर्तिपुर, 2024

33 गेंदें : सिकंदर रज़ा (ज़िम्बाब्वे) बनाम गाम्बिया, नैरोबी, 2024

33 गेंदें : फिन एलन (दक्षिण अफ्रीका) बनाम न्यूज़ीलैंड, कोलकाता, 2026

सबसे तेज़ T20I अर्धशतक लगाने में अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड

शतक के रिकॉर्ड के अलावा, भारतीय बल्लेबाज़ों द्वारा सबसे तेज़ ज्20ए अर्धशतक लगाने वालों की लिस्ट में भी अभिषेक का नाम प्रमुखता से शामिल है। टॉप रैंक में उनके नाम कई बार यह उपलब्धि दर्ज है।

किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज़ T20I अर्धशतक:

12 गेंदें : युवराज सिंह बनाम इंग्लैंड, 2007

14 गेंदें : अभिषेक शर्मा बनाम न्यूज़ीलैंड, 2026

15 गेंदें : शिवम दुबे बनाम न्यूज़ीलैंड, 2026

16 गेंदें : हार्दिक पांड्या बनाम दक्षिण अफ्रीका, 2025

16 गेंदें : अभिषेक शर्मा बनाम अफ़गानिस्तान (आज)

17 गेंदें : अभिषेक शर्मा बनाम इंग्लैंड, 2025

अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत से मैच का माहौल बनाया

अफ़ग़ानिस्तान के टॉस जीतने के बाद भारत को पहले बल्लेबाज़ी करने को कहा गया। अभिषेक शर्मा ने संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत की और आक्रामक सोच के साथ मैदान पर उतरे। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने अच्छी शुरुआत की, फ़ील्डिंग की पाबंदियों का फ़ायदा उठाया और अफ़ग़ानिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया। अभिषेक ने पारी को अच्छे से आगे बढ़ाया, सही शॉट चुने और स्कोरबोर्ड को चालू रखा। उनकी शानदार हिटिंग ने भारत को वैसी ही शुरुआत दी जैसी वे पहले बल्लेबाज़ी करते हुए चाहते थे।

हार्दिक पांड्या अभी 10 ओवर नहीं फेंक सकते: गौतम गंभीर ने टीम इंडिया में वापसी पर दिया बड़ा बयान

गुरुवार को अफगानिस्तान के खिलाफ ज्20ए सीरीज 3–0 से जीतने के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने हार्दिक पांड्या की फिटनेस पर बयान दिया। गंभीर ने कहा कि हार्दिक अभी 10 ओवर गेंदबाजी नहीं कर सकते और प्च्स् के बाद से ज्यादा नहीं खेले हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले उन्हें मैच खेलने की जरूरत होगी। गुरुवार को अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ T20I सीरीज़ में 3–0 से क्लीन स्वीप करने के बाद, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने नीतीश कुमार रेड्डी के सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर विकास का समर्थन किया और कहा कि हार्दिक पांड्या को इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले मैच खेलने की ज़रूरत होगी। भारत ने नई दिल्ली में खेले गए तीसरे और आखिरी मैच में 127 रनों की शानदार जीत के साथ अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ T20I सीरीज़ में 3–0 से क्लीन स्वीप किया। अभिषेक शर्मा ने 34 गेंदों पर रिकॉर्ड–तोड़ 108 रन बनाए, जिससे भारत ने 221/7 का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद रवि बिश्नोई और रेड्डी ने तीन–तीन विकेट लेकर अफ़गानिस्तान को 94 रन पर ऑलआउट कर दिया। यह T20I में अफ़गानिस्तान की सबसे बड़ी हार थी और इस फ़ॉर्मेट में भारत के ख़िलाफ़ उनका सबसे कम स्कोर भी। मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि ज्20 फ़ॉर्मेट से नीतीश के हटने से उन्हें वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ ज़्यादा खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप और भारत के साउथ अफ़्रीका दौरे से पहले सीम–बॉलिंग ऑलराउंडर तैयार करने की अहमियत पर ज़ोर दिया।

वहीं, रेड्डी को पहले एशियन गेम्स के लिए 15 सदस्यों वाली क्रिकेट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है और उनकी जगह वे वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ भारत की वनडे सीरीज़ में खेलेंगे। मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि नीतीश के नज़रिए से यह बहुत अच्छी बात है कि उन्हें ज्20 फ़ॉर्मेट से हटा दिया गया है और उन्हें वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ भी खेलने का मौका मिलेगा। हम जानते हैं कि एक साल बाद और जब हम साउथ अफ़्रीका जाएंगे, तो एक सीम–बॉलिंग ऑल–राउंडर कितना अहम होगा।

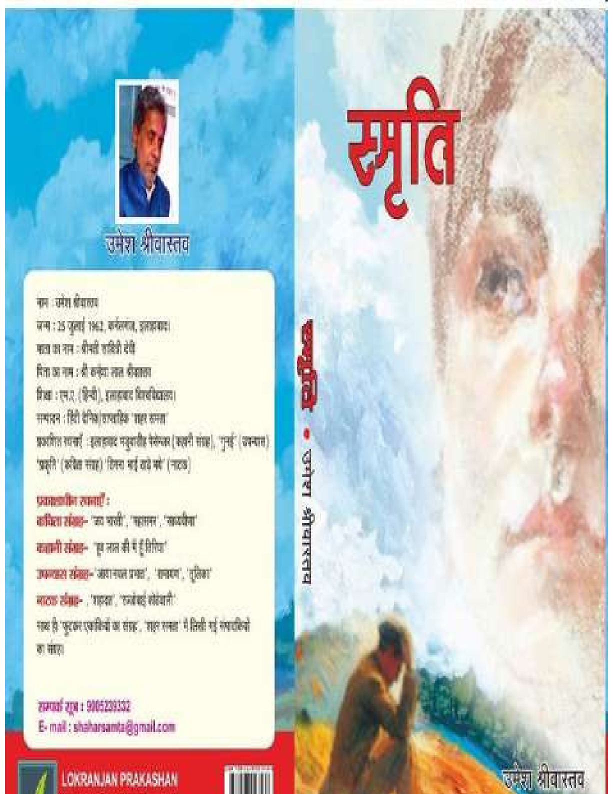

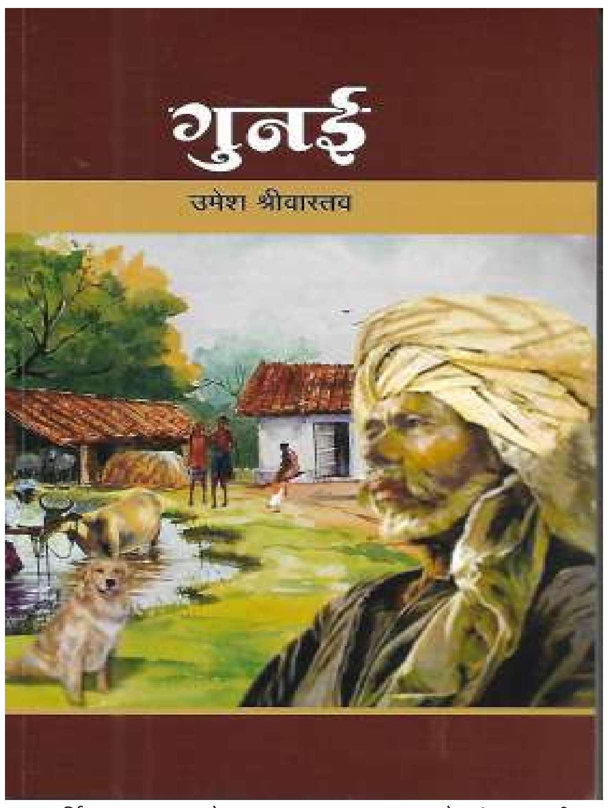

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

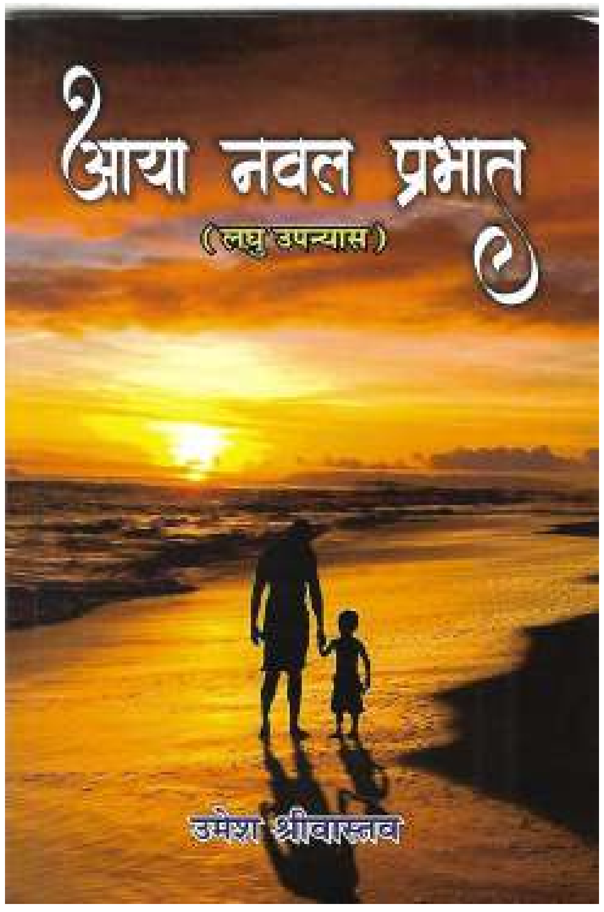

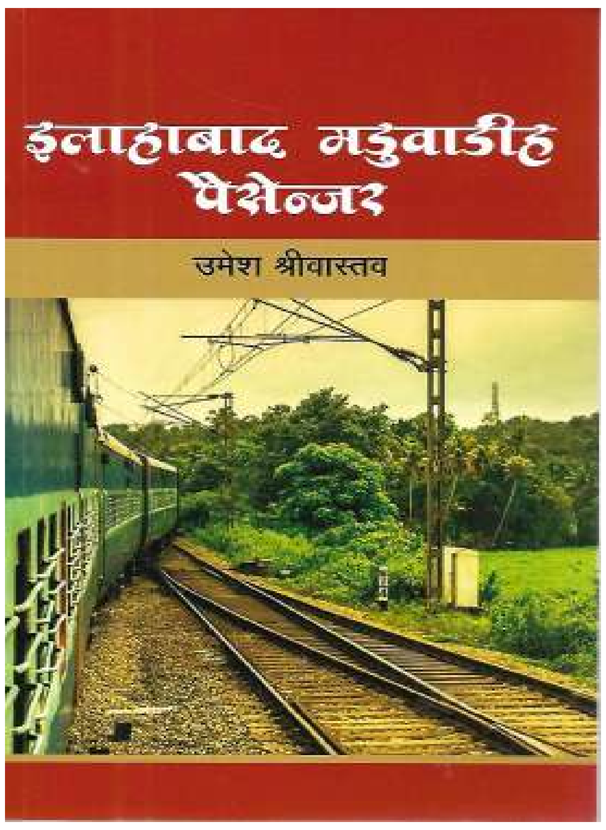

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

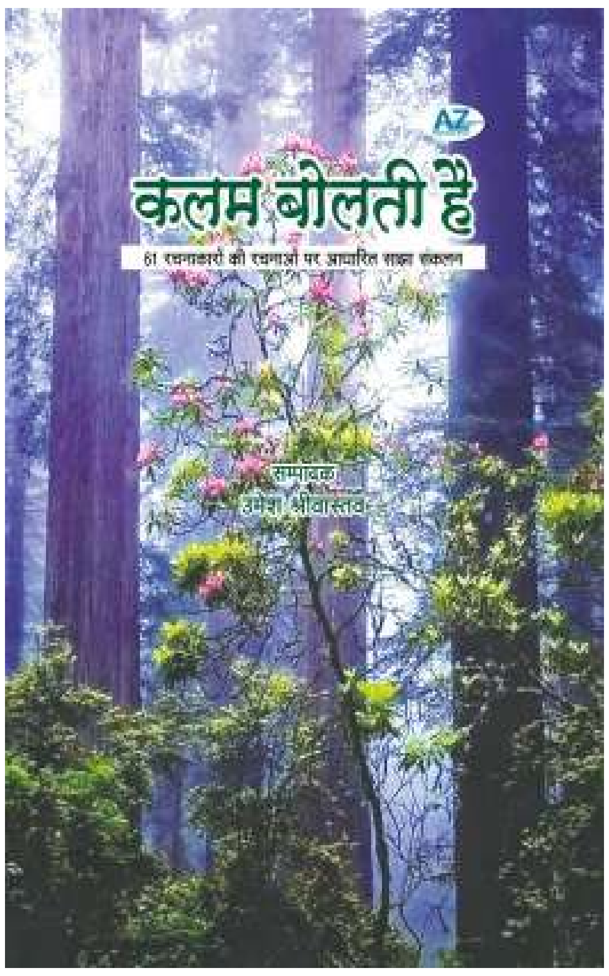

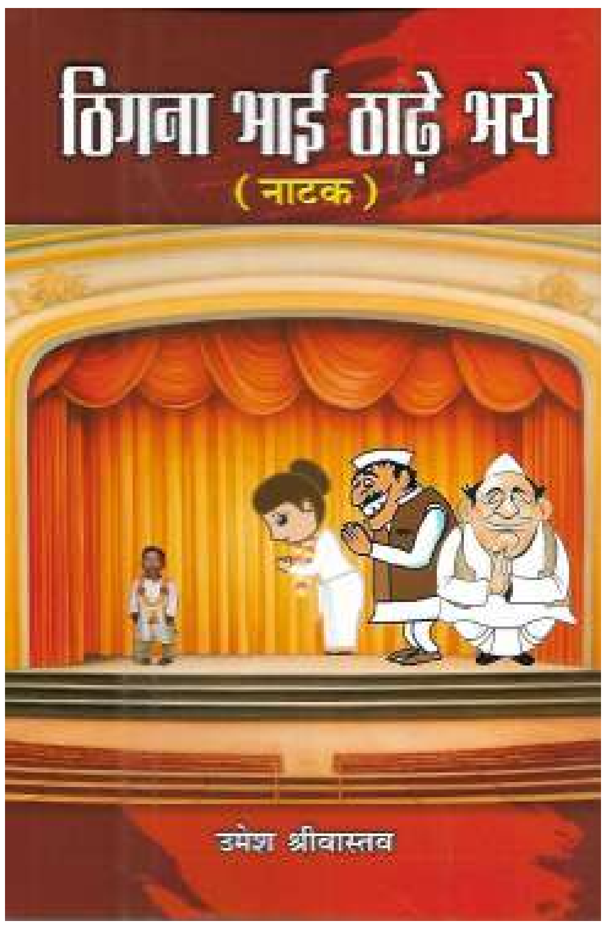

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

एमपी के काईमोर में ब्रिटिश कंपनी का एस्बेस्टस कचरा बना जानलेवा, आईटीवी न्यूज की रिपोर्ट में खुलासा

ब्रिटेन की एक पूर्व औद्योगिक दिग्गज कंपनी के मध्यप्रदेश के एक कस्बे में एस्बेस्टस कारखाना स्थापित करने के दशकों बाद भी वहां जमा किये गए जहरीले कचरे के कारण लोगों की जान अब भी खतरे में बनी हुई है। ब्रिटिश मीडिया की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 'आईटीवी न्यूज' ने कहा कि उसकी पड़ताल में सामने आया है कि ब्रिटेन की सबसे बड़ी और सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली औद्योगिक कंपनियों में शामिल टर्नर एंड न्यूऑल से जुड़े अनुमानित 10 लाख टन एस्बेस्टस कचरे के कारण किमोर अब भी दूषित है। रिपोर्ट के अनुसार, कस्बे के खेल के मैदानों, आवासीय इलाकों, खुले स्थानों और अन्य जगहों पर आज भी मिट्टी, धूल और जमीन एस्बेस्टस से दूषित है। कई वर्षों से किमोर के निवासियों का इलाज कर रहे विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. मुरलीधर वेंकिटेश्वरन ने ब्रिटिश समाचार चौनल से कहा, "मैं वास्तव में यह देखकर हैरान हूं कि इस खास कस्बे में लगभग हर व्यक्ति एस्बेस्टस के कारण होने वाली बीमारी से पीड़ित नजर आता है।" उन्होंने कहा, "इन सभी लोगों को काफी तकलीफ झेलनी पड़ेगी। यह केवल मौत का मामला नहीं है, बल्कि उन्हें सांस लेने में गंभीर परेशानी, इलाज पर भारी खर्च और फेफड़ों के कैंसर जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।" पड़ताल के दौरान 'आईटीवी न्यूज' के संवाददाता ने हवा में मौजूद एस्बेस्टस रेशों से संभावित खतरे को देखते हुए विशेष श्वसन सुरक्षा उपकरण पहने। रिपोर्टर सैम होल्डर ने अपनी टेलीविजन रिपोर्ट में कहा, "इस इलाके में जहां भी आप चलते हैं, वहां एस्बेस्टस है। शुरुआत में लगता है कि शायद ये पत्थर या चट्टान के टुकड़े हैं, लेकिन नहीं, ये टूटे हुए एस्बेस्टस के टुकड़े हैं। यह उसी तरह की चीज है जो जानलेवा रेशे छोड़ सकती है और ब्रिटेन में ऐसी स्थिति तुरंत चिंता का कारण बन जाती।" रिपोर्ट में उन परिवारों से भी बात की गई जो मानते हैं कि वे एस्बेस्टस के संपर्क में आने के दुष्परिणाम झेल रहे हैं। इनमें सोमेश नाम का 40 वर्षीय एक व्यक्ति भी शामिल है। बचपन में स्कूल के खेल मैदान में एस्बेस्टस के संपर्क में आने के बाद उसे गंभीर कैंसर होने का पता चला। डॉ. मुरली के अनुसार, एक बच्चे के पिता सोमेश के शरीर में कैंसर काफी फैल चुका है और उसके छह महीने से अधिक जीवित रहने की संभावना कम है। कार्यक्रम में 1970 के दशक के कंपनी के आंतरिक दस्तावेजों का भी उल्लेख किया गया, जिनमें टर्नर एंड न्यूऑल के एक चिकित्सक ने प्रबंधन से भारतीय कर्मचारियों को एस्बेस्टस के संपर्क से बेहतर सुरक्षा देने का आग्रह किया था। एक दस्तावेज में चिकित्सक ने चेतावनी दी थी कि कर्मचारियों को "खतरों और जोखिमों के बारे में बताया जाना चाहिए" और उन्हें खुद इनका पता लगाने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए, ताकि "दुनिया के अन्य हिस्सों में एस्बेस्टस के संपर्क में आए कर्मचारियों के साथ हुई त्रासदी भारत में दोबारा न हो।" टर्नर एंड न्यूऑल 2001 में ब्रिटेन और अमेरिका में एस्बेस्टस से जुड़े कई मुकदमों के कारण बंद होने से पहले ब्रिटेन की सबसे सफल औद्योगिक कंपनियों में शामिल थी। कुछ पीड़ितों के लिए मुआवजे की व्यवस्था की गई थी, लेकिन अभियान चलाने वाले समूहों का कहना है कि किमोर में अब भी मौजूद एस्बेस्टस कचरे को हटाने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। ब्रिटेन सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, "ये दावे बेहद चौंकाने वाले हैं और हमारी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने इन गैर-जिम्मेदाराना कार्रवाइयों के कारण अपने प्रियजनों को खोया है।" उन्होंने कहा, "हम उम्मीद करते हैं कि सभी ब्रिटिश कंपनियां अपने परिचालन और आपूर्ति श्रृंखला में मानवाधिकारों और पर्यावरण का सम्मान करेंगी। साथ ही, हम जिम्मेदार कारोबारी व्यवहार को लेकर ब्रिटेन के रुख की समीक्षा के निष्कर्षों पर भी विचार कर रहे हैं।

संक्षिप्त

यूएस में ट्रेनिंग के दौरान F-16 फाइटर जेट क्रैश, सुरक्षित बाहर निकला पायलट

अमेरिका के टेक्सास से आया एफ-16 लड़ाकू विमान बृहस्पतिवार को नियमित प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान मिशिगन के एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने साथ ही बताया कि पायलट विमान से सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहा। 149वीं लड़ाकू विंग में जनसंपर्क विशेषज्ञ सार्जेंट डेरेक गुटिरेज

ने बताया कि पायलट का एक स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने सैन्य नीति का हवाला देते हुए पायलट की पहचान या उसे लगी चोटों के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया। विमान डेट्रॉयट से करीब 190 मील (305 किलोमीटर) उत्तर में अल्पेना स्थित 'नेशनल गार्ड' के एक अड्डे पर प्रशिक्षण अभ्यास में हिस्सा ले रहा था। गुटिरेज ने बताया कि यह विमान टेक्सास स्थित 'ज्वाइंट बेस सैन एंटोनियो-लैकलैंड' से आए उन एफ-16 विमानों में शामिल था, जो मिशिगन में प्रशिक्षण अभ्यास में हिस्सा ले रहे थे।

यूरोपीय देशों पर क्तवदम हमले की फिराक में रूस, पोलैंड के पीएम ने दी चेतावनी

पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि रूस, यूक्रेन का समर्थन कर रहे पोलैंड समेत यूरोपीय देशों पर ड्रोन या रॉकेट से 'हाइब्रिड' हमले करने की योजना बना रहा है। 'हाइब्रिड' हमले का अर्थ ऐसी कार्रवाई से है, जिसमें सैन्य हमले के साथ साइबर हमले, दुष्प्रचार और अन्य गैर-पारंपरिक तरीकों का भी इस्तेमाल किया जाता है। टस्क ने पोलैंड की संसद में अपने संबोधन में कहा कि रूस इन हमलों को ''दुर्घटना'' बताने की कोशिश करेगा ताकि उत्तर

अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के देशों को किसी सदस्य देश पर हमले की स्थिति में उसकी रक्षा के लिए तत्काल आगे आने से रोका जा सके या कम से कम उनकी इच्छाशक्ति कमजोर की जा सके। टस्क ने कहा, ''इस बात का वास्तव में खतरा है कि ड्रोन या अन्य तरह के प्रक्षेपास्त्र पूर्वी छोर के एक या कई देशों के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और नुकसान भी पहुंचा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''आधिकारिक तौर पर यही कहा जाएगा कि यह एक दुर्घटना थी और नाटो के पास जवाबी कार्रवाई पर विचार करने का कोई कारण नहीं है।'' उन्होंने कहा कि रूस इसलिए और अधिक खतरनाक हो गया है क्योंकि वह जेट इंजन से संचालित ड्रोन का इस्तेमाल लगातार बढ़ा रहा है। ये ड्रोन अधिक ऊंचाई और तेज गति से उड़ते हैं, इसलिए वायु रक्षा प्रणालियों के लिए उनके लक्ष्य तक पहुंचने से पहले उनका पता लगाना अधिक मुश्किल होता है। टस्क ने कहा कि वह पिछले कई महीनों से चेतावनी देते रहे हैं कि रूस नाटो के किसी देश के खिलाफ अधिक गंभीर 'हाइब्रिड' हमले की संभवतः तैयारी कर रहा है तथा नाटो, यूक्रेन एवं अमेरिका की खुफिया एजेंसियों से मिली सूचनाओं के आधार पर उनकी चेतावनियां अब अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं।

यूएस में सिख ट्रक ड्राइवर पर जानलेवा हमला, वायोमिंग में 17 बार चाकू घोंपने का आरोपी गिरफ्तार

अमेरिका में दक्षिण एशियाई लोगों के खिलाफ नफरत भरी बयानबाजी बढ़ने के बीच दक्षिणी वायोमिंग में एक विश्राम स्थल के शौचालय में एक सिख ट्रक चालक पर चाकू से कई वार किए गए। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, ट्रक चालक की पहचान 'सिंह' के रूप में बताई गई है। उस पर रविवार तड़के दक्षिणी वायोमिंग के 'बिटर क्रीक रेस्ट एरिया' में हमला किया गया। वह पेनसिल्वेनिया जाते समय वहां रुका था। 'काउबॉय स्टेट डेली' के अनुसार, सिंह को हवाई मार्ग से कैस्पर स्थित वायोमिंग मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। 'द सैक्रामेंटो बी' की खबर के अनुसार, हमलावर एंड्रयू क्रिस बजैक ने सिंह की बांहों, सीने और पसलियों के आसपास 17 बार चाकू से वार किया। बजैक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ हत्या के प्रयास के प्रथम श्रेणी के आरोप लगाए गए हैं। वायोमिंग के कानून के तहत हत्या के प्रयास के प्रथम श्रेणी अपराधों को गंभीर माना जाता है और दोषी को उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सिख ट्रक चालक पर हमले को भयावह बताया। कृष्णमूर्ति ने कहा, ''यह घटना ऐसे समय हुई है जब सिख और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों को निशाना बनाकर नफरत की घटनाएं बढ़ रही हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में पकड़े गए कम से कम 33 लोगों की हिरासत में मौत

नाइजीरिया में अवैध खनन के आरोप में गिरफ्तार किए गए कम से कम 33 लोग बृहस्पतिवार को मृत पाए गए। ऐसी आशंका है कि इनलोगों की मौत संक्रमण के कारण हुयी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। नाइजीरिया के अधिकारियों ने आशंका जताई है कि अवैध खनन के आरोपियों की मौत किसी संक्रमण के फैलने के कारण हुई है। हालांकि, इसमें जीवित बचे दाउदा शेहू ने बताया कि 65 लोगों को एक ऐसी कोठरी में ठूंसकर रखा गया था जहां हवा आने-जाने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उसने कहा कि हिरासत में रखे गए इन लोगों की मौत संभवतः दम घुटने से हुई। 'नाइजीरिया सिक्योरिटी एंड सिविल डिफेंस कोर' (एनएससीडीसी) के प्रवक्ता अबुबकर मुती ने बताया कि इन लोगों की मौत उत्तर-मध्य नाइजर राज्य में एनएससीडीसी की हिरासत में हुई। नाइजर में एनएससीडीसी के प्रमुख सुबेरू सियाका अनिविये ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि सुरक्षा एजेंसी ने राज्य में अवैध खनन के संदेह में मंगलवार और बुधवार को इन लोगों को गिरफ्तार किया था और तभी से वे हिरासत में थे। अनिविये ने कहा कि एजेंसी को आशंका है कि इन लोगों की मौत कोई बीमारी फैलने से हुई। उन्होंने साथ ही कहा कि मौत के असल कारण का पता लगाने के लिए शवों को एक स्थानीय अस्पताल भेजा गया है ताकि ''आगे की चिकित्सकीय जांच'' की जा सके। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस बीमारी का संदेह है। शेहू ने कहा, ''हमें ठूंसकर रखा गया था और हवा आने-जाने की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। अचानक हमारा दम घुटने लगा और ताजा हवा के लिए हम छटपटाने लगे।'' शेहू ने अस्पताल में एपी से बातचीत की जहां शवों को परीक्षण के लिए भेजा गया है। उसने बताया कि कोठरी में बंद लोगों ने दरवाजा पीटकर सुरक्षा एजेंसी के गार्ड का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। इस घटना में अपने दो बेटों को खोने वाले शफातु सुलेमान ने सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। नाइजर राज्य की पुलिस ने कहा कि उसने मामले की जांच शुरू कर दी है।

डोनाल्ड ट्रंप से मिले तिब्बती संगठन, शी चिनफिंग के सामने पंचेन लामा की रिहाई उठाने की मांग

वाशिंगटन। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अमेरिका यात्रा से पहले, तिब्बत समर्थक एक संगठन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पंचेन लामा की रिहाई का मुद्दा उठाने और दलाई लामा के साथ सार्थक बातचीत फिर शुरू करने के लिए चीन पर दबाव बनाने का आग्रह किया है। 'इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत' (आईसीटी) ने यहां एक बयान में कहा कि तिब्बत को लेकर

अमेरिका की नीति 'तिब्बतन पॉलिसी एक्ट, 2002' और 'रिजॉल्व तिब्बत एक्ट, 2024' से निर्देशित होती है। आईसीटी की अध्यक्ष तेनचो ग्यात्सो ने कहा कि इन दोनों कानूनों में कहा गया है कि तिब्बत-चीन विवाद का समाधान बिना किसी पूर्व शर्त के सार्थक बातचीत के जरिये शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए और ये कानून अमेरिका सरकार को चीनी अधिकारियों और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने का निर्देश भी देते हैं। ग्यात्सो ने कहा, ''इसलिए राष्ट्रपति ट्रंप को इस नीति को कायम रखना चाहिए और शी के साथ अपनी बैठक का इस्तेमाल चीन और तिब्बत के बीच बातचीत फिर शुरू कराने के लिए दबाव बनाने में करना चाहिए। यह ऐसे समय में और भी जरूरी है जब चीन का नया तथाकथित 'जातीय एकता एवं प्रगति कानून' तिब्बती पहचान की बुनियाद के लिए खतरा पैदा कर रहा है।'' आईसीटी ने ट्रंप से 11वें पंचेन लामा की रिहाई का मुद्दा भी उठाने को कहा। दलाई लामा ने 14 मई 1995 को उन्हें पंचेन लामा के रूप में मान्यता दी थी और इसके तीन दिन बाद वह लापता हो गए थे।

आईसीटी ने कई अन्य मानवाधिकार संगठनों के साथ मिलकर चीन सरकार से उसके मानवाधिकार रिकॉर्ड में सुधार के लिए तत्काल ऐसे कदम उठाने की अपील भी की जिनकी पुष्टि की जा सके। कुल 29 मानवाधिकार संगठनों ने राष्ट्रपति शी को लिखे एक खुले पत्र में कहा, ''तिब्बती, उइगर और अन्य समुदाय अब भी आपकी सरकार के ऐसी अत्याचारी गतिविधियों का सामना कर रहे हैं जिनका मकसद उनकी संस्कृति, पहचान और को मिटाना है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष सुनवाई के उनके अधिकारों का भी उल्लंघन हो रहा है।'' संगठनों ने शी से दलाई लामा के प्रतिनिधियों और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के साथ सार्थक एवं बिना शर्त बातचीत फिर शुरू करने का भी आग्रह किया। इन संगठनों ने केंद्रीय तिब्बती प्रशासन को तिब्बती लोगों का एकमात्र वैध लोकतांत्रिक प्रतिनिधि बताया। उन्होंने 11वें पंचेन लामा गेधुन चोएक्यी न्यिमा और अन्य राजनीतिक कैदियों की रिहाई की भी मांग की। संगठनों ने कहा कि यदि पंचेन लामा को रिहा नहीं किया जाता तो अमेरिकी अधिकारियों को उनसे स्वतंत्र रूप से मिलने की अनुमति दी जानी चाहिए।

रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों के विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अधिनियम पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। यह बयान अमेरिकी प्रतिनिधि सभा द्वारा इस विधेयक को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें मॉस्को के शीर्ष ऊर्जा खरीदारों पर भारी शुल्क लगाने का भी प्रावधान है। विधेयक पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदलने के बारे में पूछे जाने पर व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पीटीआई-को बताया, राष्ट्रपति इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रहे हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने रूस पर प्रतिबंध संबंधी अमेरिकी विधेयक पारित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विविध स्रोतों से ऊर्जा खरीद जारी रखेगा।

मोदी के जन्मदिन पर ये क्या बोले रूस-इजरायल, मचाया तहलका!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर देश दुनिया से लोगों की बधाइयों का तांता लगा हुआ है। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान रूस और इजराइल की बधाई ने खींचा है। इस वक्त रूस और इजराइल दुनिया के वो देश हैं जिनके आगे दुश्मन घुटनों पर आ गए हैं। लेकिन यही वह पहले दो देश हैं जिन्होंने पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने जो कहा है उसे सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। आपको बता दें कि यह देश रूस था। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के रिश्तों को मजबूत करने के लिए पीएम मोदी ने जो व्यक्तिगत भूमिका निभाई है उसे मैं शब्दों में बयां तक नहीं कर सकता। पीएम मोदी की वजह से रूस और भारत के बीच रणनीतिक साझेदारी बढ़ी है। पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी में

असाधारण राजनीतिक सूझबूझ और दूरदर्शिता है। बता दें कि जिस वक्त सऊदी अरब का तेल एक्सपोर्ट पूरी तरह ठप हो चुका है। उस वक्त रूस ही भारत के लिए सबसे बड़ा ट्रंप कार्ड है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि इटली और भारत अपनी दोस्ती को मजबूत कर रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मेरे प्रिय दोस्त हैं। मैं आपको जन्मदिन की बधाई देना चाहता हूं। आपने अपने जीवन में भारत के लिए बहुत कुछ हासिल किया है। हम दोनों ने भी मिलकर भारत और इजराइल की दोस्ती के लिए बहुत अच्छे काम किए हैं। मैं आपसे जल्दी मिलने का इंतजार कर रहा हूं क्योंकि हम अपनी साझेदारी और दोस्ती को और भी नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं।

ईरान में सरकार आयोजित विशाल रैली में हजारों नागरिकों ने हथियार उठाने का लिया संकल्प

ईरान में शुक्रवार को हजारों नागरिकों ने फरवरी में अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद सरकार द्वारा आयोजित अपनी तरह के सबसे बड़े प्रदर्शन में संकल्प जताया कि वे हथियार उठाने को भी तैयार हैं। ईरान की सरकार ने लोगों को एकजुट करने और राष्ट्रीय एकता पर जोर देने की कोशिश की है, जबकि अमेरिकी नौसेना द्वारा ईरानी बंदरगाहों की घेराबंदी और तेहरान की आर्थिक मुश्किलों को बढ़ाने के लिए लगाए गए नए अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण इस देश की अर्थव्यवस्था खराब हो रही है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।